

यूपी ट्रेड शो का 25 सितंबर से होगा आगाज, गृह मंत्री अमित शाह करेंगे उद्घाटन

संवाददाता

खलक/ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के औद्योगिक, कारोबारी और निर्यात क्षेत्र को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाने के उद्देश्य से आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस)-2026 के तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर में 25 सितंबर से शुरु होने वाले इस पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का उद्घाटन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे, जबकि मेले का समापन केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। ट्रेड शो 25 से 29 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष यूपीआईटीएस की केंद्रीय थीम 'अद्वितीय सोर्सिंग का अद्भुत मंच...' रखी गई है। थीम के माध्यम से उत्तर प्रदेश को देश और दुनिया के कारोबारियों, निवेशकों, खरीदारों तथा उद्योग जगत के लिए एक बड़े सोर्सिंग हब के रूप में प्रस्तुत करने पर जोर दिया गया है। आयोजन में प्रदेश की औद्योगिक



यूपीआईटीएस की केंद्रीय थीम 'अद्वितीय सोर्सिंग का अद्भुत मंच...' रखी गई है। थीम के माध्यम से उत्तर प्रदेश को देश और दुनिया के कारोबारियों, निवेशकों, खरीदारों तथा उद्योग जगत के लिए एक बड़े सोर्सिंग हब के रूप में प्रस्तुत करने पर जोर दिया गया है। आयोजन में प्रदेश की औद्योगिक

आईटी, रक्षा एवं एयरोस्पेस, कृषि एवं संस्कृत क्षेत्र, नवीकरणीय ऊर्जा, ऑटोमोबाइल एवं इलेक्ट्रिक वाहन, फार्मा एवं हेल्थकेयर सहित विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों और संस्थाएं अपने उत्पाद एवं क्षमताओं का प्रदर्शन करेंगी। इसमें ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल एवं हथकरघा, डाक ऑफ, एक्सीलेंस एकाउपार्टमेंट, वेल्थवार्डर्स एवं लॉजिस्टिक्स, रिटेल एंटरटेनमेंट या पर्यटन एवं संस्कृति जैसे क्षेत्रों को भी ट्रेड एव्स में प्रमुख स्थान दिया गया है। है। आईएस एक ही मंच पर उत्तर प्रदेश की आपूर्तिक कला और शिल्प से लेकर आधुनिक औद्योगिक एवं तकनीकी क्षमताओं तक की झलक देखने को मिलेगी। यूपीआईटीएस-2026 के लिए

ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपोर्ट सेंटर एंड मार्केट के भूतल और द्वितीय तल के विभिन्न हॉल में करीब 36,500 वॉन मॉडर प्रदर्शनी के प्रदर्शन के लिए जा चुका है। आयोजन में शामिल होने वाले औद्योगिक विकास प्राधिकरण और कॉलेजोटर संस्थाओं के प्रतिनिधि प्रदर्शनी का लोकार्पण भी अंतिम रूप दिया जा चुका है। व्यापार मेले में अलग-अलग क्षेत्रों के लिए निर्धारित स्थानों पर कंपनियां, कारोबार संस्थाएं और सरकारी विभाग अपने उत्पादों, सेवाओं और उपलब्धियों को प्रदर्शित करेंगे। इससे अपेक्षित है कि अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को ऊपर प्रदेश के विभिन्न औद्योगिक क्लस्टरों को और कारोबारों के एक ही स्थान पर समझने तथा उनका प्रदर्शन देखने का अवसर मिलेगा।

मिलेगा। यूपीआईईएस-2026 को केवल औद्योगिक प्रदर्शनी के सीमित नहीं रखा गया है। इसमें उत्तर प्रदेश की औद्योगिक क्षमता, कोराबरी वातावरण, निर्यात सामर्थ्य, कृषि आधारित उत्पादव्यवस्था, हस्तशिल्प, हथकरघा, पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत को भी प्रदर्शित किया जाएगा। इससे प्रदेश के स्थानीय उत्पादों और उद्योगों को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने में मदद मिलने को उम्मीद है। अजोयन में एमएसएमई और ओडीओपी जैसे क्षेत्रों की भागीदारी के जरिए छोटे एवं मध्यम उद्यमों तथा स्थानीय उत्पाद निर्माताओं को भी व्यापक बाजार उपलब्ध कराने पर जोर रहेगा।



लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की 10 सीटों के लिए चुनावी विगुल बज गया है। भारत निर्वाचन आयोग (भ्रष्टृ) ने मंगलवार को चुनाव कार्यक्रम की अधिकारिक घोषणा कर दी। यूपी की इन सीटों पर आगामी 16 अक्टूबर को मतदान कराया जाएगा और उसी दिन शांति को मंगलाना बाद नतीजे घोषित कर दिए जाएंगे। दरअसल, नवंबर 2026 में उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के 10 सदस्यों का कार्यकाल पूरा हो रहा है। इसके मद्देनजर चुनाव की घोषणा की गई है। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिकारिक शेड्यूल के अनुसार, चुनाव की अधिसूचना 29 सितंबर 2026 को जारी की जाएगी। इसके साथ ही नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी, जिसकी अंतिम तिथि 6 अक्टूबर तक की गई है। 7 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी, जबकि प्रत्याशी 9 अक्टूबर तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। आयोग के मुताबिक, 16 अक्टूबर को सुबह 9-00 बजे से शाम 4-00 बजे तक मतदान की प्रक्रिया संपन्न होगी। इसके तुरंत बाद शाम 5-00 बजे से वोटों की गिनती शुरू होगी और देश शांति में परिणाम सामने आ जाएगा। पूरी चुनाव प्रक्रिया को 19 अक्टूबर 2026 तक संपन्न कराने की नईश दिए गए हैं। इसके अलावा, निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करने के लिए आयोग ने स्पष्ट किया है कि वोटिंग के दौरान विविधाधायकों को आयोग द्वारा उपलब्ध कराए गए विशेष बैगनी (डूधरादहल) रंग के स्केच पेन का ही इस्तेमाल करना अनिवार्य होगा।

जनसमस्याओं का निस्तारण सर्वोच्च प्राथमिकता

लखनऊ 22 सितवर। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जनता दर्शन में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। एसजीपीसीआई में उपचार कर रहे मुकुन्द पाण्डेय तथा उप मुख्यपुर निवासी हृदय रोग से पीड़ित विकास तिवारी के उपचार के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया। उपमुख्यमंत्री ने ऐसी प्रकरणों में आवश्यक कार्रवाई करते हुए जरूरतमंदों को शीघ्र सहायता उपलब्ध करने के अधिकारियों को निर्देश दिए। संतकबीर नगर निवासी चंभेन्द्र कुमार गौड़ द्वारा बारात पर निर्माण कराये जाने, प्रतापगढ़ निवासी इन्द्र कुमार पाण्डेय द्वारा ग्रामीण मार्ग का निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित कलावली, गुड्डा एवं सरिता कुमारी, लखीमपुर खीरी के प्रकरण तथा पीलीभीत निवासी रिकी एवं शकुन्तला देवी और बाराबंकी निवासी शीला देवी द्वारा आवास एवं सौचालय से संबंधित अनुरोध प्रस्तुत किए गए। चौधरी चरण सिंह इंटर कॉलेज, प्रतापगढ़ के अध्यक्ष महावीर सिंह ने कॉलेज परिसर में हाईमास्ट लाइट लगाए जाने का अनुरोध किया। उन्होंने जिलाधिकारी कोशाशम्बी, लखनऊ एवं अमरोहा, पुलिस अधीक्षक ऊनाव, मंडलायुक्त झांसी सहित अधिकारियों से बात कर प्रकरणों में शीघ्र कार्यवाही करने को कहा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की सेवा, उनकी समस्याओं का समाधान और जरूरतमंद व्यक्ति को समर्थ पर सहायता उपलब्ध कराना प्रदेश सरकार को सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। जनता दर्शन के माध्यम से शासन और जनता के बीच सीधा सवाद स्थापित हो रहा है तथा प्राप्त प्रत्येक शिकायत और अनुरोध का नियमानुसार गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है। जनता दर्शन में बड़ी संख्या में आए युवा, महिला, किसानों ने समस्याएं, अनुरोध पर प्रस्तुत किए

होमगार्ड अभ्यर्थियों के प्रशिक्षण के लिए

सरकार खरीदेगी 10 लाख कारतूस

खंड 22 सितंबर। योगी सरकार 41,424 होमगार्ड अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण के दौरान हथियार संचालन और फायरिंग अभ्यास के लिए 5.56 एमएम राइफल के 10 लाख से अधिक कारतूस खरीदने का रही है। यह खरीदारी एसटीएफ के माध्यम से होमगार्ड विभाग करेगा। इसके लिए 3 करोड़ 55 लाख रुपये खर्च किये जाएंगे। यह उत्तर प्रदेश में पहली बार है, जब होमगार्ड अभ्यर्थियों के प्रशिक्षण के लिए 10 लाख से अधिक कारतूस खरीदे जा रहे हैं। वर्तमान में होमगार्ड अभ्यर्थियों की 41,424 रिक्त पदों पर एनरोलमेंट की प्रक्रिया चल रही है। इन सभी की शारीरिक दक्षता परीक्षा अंतिम चरण में है। वहीं होमगार्ड के 41,424 रिक्त पदों का रिजल्ट जारी होने के बाद 7,600 रिक्त पदों पर एनरोलमेंट की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। डीडीजी होमगार्ड ध्रुवकांत ठाकुर ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सुदृढ़ किया जा रहा है। इसके तहत पुलिस और सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के साथ-साथ विभिन्न स्तरों पर मानव संसाधन और प्रशिक्षण क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि योगी सरकार के मिशन रोजगार के तहत होमगार्ड विभाग में 41,424 होमगार्ड अभ्यर्थियों की भर्ती प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। वर्तमान में अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा पीपीईटी चल रही है, जो अंतिम दौर में है। सितंबर के अंत तक भर्ती का परिणाम जारी कर दिया जाएगा। इसके बाद सफल अभ्यर्थियों को मेडिकल और पुलिस वेरिफिकेशन की प्रक्रिया अवदूब में पूरी करने का लक्ष्य है। सभी औद्योगिकताएं पूरी होने के बाद चयनित अभ्यर्थियों को नवंबर में प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा। नवचयनित 41,424 होमगार्ड अभ्यर्थियों की ट्रेनिंग नवंबर से शुरू किए जाने की तैयारी है। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें होमगार्ड की जिम्मेदारियों, अनुशासन, कानून-व्यवस्था में सहयोग, आपदा एवं आपात परिस्थितियों में भूमिका के साथ-साथ हथियार संचालन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। ऐसे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नवचयनित होमगार्ड अभ्यर्थियों के प्रशिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था भी शुरू कर दी है। प्रशिक्षण के दौरान हथियार संचालन और फायरिंग अभ्यास के लिए 10 लाख से अधिक कारतूस खरीदने जाएंगे। इसके लिए करीब 3 करोड़ 55 लाख रुपये की लागत से एसटीएफ के माध्यम से 5.56 एमएम एसएलआर राइफल के कारतूस खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि विभाग एसटीएफ के माध्यम से कारतूस के साथ करीब 1 करोड़ 44 लाख रुपये की लागत से 155 एसएलआर राइफल भी खरीदेगा। नवचयनित 41,424 होमगार्ड अभ्यर्थियों को 90 दिनों की ट्रेनिंग दी जाएगी, जो नवंबर से शुरू करने की तैयारी है। वहीं अभ्यर्थियों की ट्रेनिंग को जनवरी में पूरा कर लिया जाएगा और फरवरी में नवचयनित होमगार्ड अभ्यर्थियों को पीपीईटी में तैयारी दी दी जाएगी। डीजी होमगार्ड ने बताया कि होमगार्ड के 41,424 रिक्त पदों पर एनरोलमेंट की प्रक्रिया पूरी होने के बाद होमगार्ड स्वयंसेवकों के 7,600 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी कर दिया जाएगा। इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई। प्रदेश में होमगार्ड स्वयंसेवकों के कुल 1,18,348 पद हैं। वर्तमान में 69,324 कार्यरत हैं। वर्तमान में भर्ती बोर्ड की ओर से 41,424 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया अंतिम दौर में है।

योग्यता और मेरिट के आधार पर चयन-ब्रजेश

खनऊन । उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने नवनियुक्त शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षक केवल बच्चों को पढ़ाने का कार्य नहीं करते, बल्कि समाज को दिशा देने की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाते हैं। भारत में गुण-शिष्य परंपरा का गौरवान्वीति इतिहास रहा है और शिक्षकों ने हमेशा ज्ञान के साथ जीवन-मूल्यों की शिक्षा देने का काम किया है। नवनियुक्त शिक्षकों पर समाज और राष्ट्र के भविष्य के निर्माण की बड़ी जिम्मेदारी है। शिक्षक प्रदेश की वर्तमान स्थिति और पूर्व की स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन करते हुए समाज को सही दिशा देने का कार्य करें। 2017 से पहले प्रदेश में कानून व्यवस्था, सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में अनेक चुनौतियाँ थीं, जबकि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में इन क्षेत्रों में व्यापक बदलाव हुए हैं। प्रदेश में सड़कों का विस्तार हुआ है, बिजली की उपलब्धता में सुधार हुआ है और मेडिकल कॉलेजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में गरीब कल्याण की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया गया है। वर्तमान सरकार में नियुक्तियाँ पारदर्शी और मेरिट के आधार पर हो रही हैं और आज का कार्यक्रम इसका उदाहरण है।

चरित्र निर्माण की भी है शिक्षकों की जिम्मेदारी-गुलाब देवी

लखनऊ 22 सितम्बर। माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि आज योग्यता, परिश्रम और लगन के बल पर चयनित अर्थर्थियों को नियुक्ति मिल रही है। अब उनकी वास्तविक जिम्मेदारी शुरू हो रही है। शिक्षक और विद्यार्थी का संबंध भावनात्मक होता है और अभिभावक अपने बच्चों को शिक्षकों को इस विश्वास के साथ सौंपते हैं कि वे उन्हें ज्ञान के साथ संस्कार, अनुशासन, चरित्र निर्माण, देशभक्ति और अच्छे व्यक्तित्व का विकास प्रदान करेंगे। शिक्षक स्वयं बच्चों के लिए आदर्श से भरे, क्योंकि विद्यार्थी शिक्षक के व्यवहार, आचरण और कारशैली से सीखते हैं। नई शिक्षा नीति-2020 की भावना भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की है। सरकार शिक्षा व्यवस्था में गुणवत्ता, पारदर्शिता और तकनीक के उपयोग पर विशेष ध्यान दे रही है तथा शिक्षकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए भी अनेक सुविधाएं उपलब्ध कर रही हैं। उन्होंने चयनित शिक्षकों को सिला, सजगता, उमंग और उत्साह के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

यूपी की 10 राज्यसभा सीटों के लिए
द्विवार्षिक चुनाव 16 अक्टूबर को-रिणवा

लखनऊ 22 सितंबर । उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिग्वा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश के राज्यसभा के सदस्यों के लिए द्विपक्षीय निर्वाचन का कार्यक्रम कायित कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश की 10 राज्यसभा सीटों के सदस्यों का कार्यकाल 25 नवंबर को समाप्त हो रहा है। आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचन के लिए 29 सितंबर को अधिसूचना जारी की जाएगी। 6 अक्टूबर नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि होगी। 7 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी तथा 9 अक्टूबर तक अन्धर्थी नाम वापस ले सकेगें। 16 अक्टूबर को मतदान होगा। मतदान का समय प्रातः 9 बजे से शाम 4 बजे तक निर्धारित किया गया है। मतगणना उसी दिन शाम 5 बजे से प्रारंभ होगी। निर्वाचन प्रक्रिया 19 अक्टूबर तक पूर्ण कर ली जाएगी। उत्तर प्रदेश की राज्यसभा सीटों के लिए सेवानिवृत्त होने वाले सदस्यों में अरुण सिंह, गीता उर्फ चंद्रप्रभा, नीरज शेखर, बृजलाल, प्रो. राम गोपाल यादव, राजजी, बीएल वर्मा, सीमा, डॉ. विदेश शर्मा 11 सितंबर से रिक्त तथा हरीदीप सिंह पुरी शामिल हैं।

**विधान परिषद के खंड स्नातक के 5
एवं खंड शिक्षक के 6 निर्वाचन क्षेत्रों के
द्विवार्षिक निर्वाचन का कार्यक्रम घोषित**

लखनऊ 22 सितंबर। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीदीप रिणवा ने बताया कि उत्तर प्रदेश विधान परिषद के खंड स्नातक के 5 एवं खंड शिक्षक के 6 निर्वाचन क्षेत्रों से निर्वाचित सदस्यों का कार्यक्रम 6 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। होने वाली रक्तियों को भरने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 का कार्यक्रम निर्धारित कर दिया गया है। आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 29 सितंबर को निर्वाचन की अधिसूचना जारी की जाएगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 6 अक्टूबर नामांकन पत्रों की समाप्ति 7 अक्टूबर तथा नाम वापसी की अंतिम तिथि 9 अक्टूबर तय की गई है। श्री रिणवा ने बताया कि 23 अक्टूबर को प्रातः 8 बजे से अपराह्न 4 बजे तक मतदान होगा। 27 अक्टूबर को मतगणना की जाएगी। निर्वाचन प्रक्रिया को 31 अक्टूबर से पूर्व पूर्ण करा लिया जाएगा। लखनऊ खंड स्नातक से इंजी. अनीश कुमार सिंह, वाराणसी खंड स्नातक से आशुतोष सिंह, आगरा खंड स्नातक से डॉ. मानवेंद्र प्रताप सिंह 'गुरु जी', मेरठ खंड स्नातक से दिनेश कुमार गोयल, इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक से डॉ. मान सिंह यादव तथा लखनऊ खंड शिक्षक से अमेश द्विवेदी, वाराणसी खंड शिक्षक से लाल बिहारी यादव, आगरा खंड शिक्षक से डॉ. आकाश अग्रवाल वित्तविहीन मेरठ खंड शिक्षक से श्रीचन्द शर्मा, बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक से हरी सिंह द्विवे, गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक से ध्रुव कुमार त्रिपाठी हैं।

साईआन ने बताया कि विधान परिषद द्विवाषिक निर्वाचन-2026 के संदर्भ में यूपी के जनपदों में कानपुर नगर, कानपुर देहात तथा झाबुा को छोड़कर आदर्श आचार संहिता के सुसंगत प्रावधान हैं। आदर्श आचार संहिता भारत निर्वाचन आयोग के पत्र संख्या 322/शधृष्ट/दृष्टसं/नशृष्ट/वधृष्ट/शहृष्ट/च/च/च, 26 दिसंबर, 2016 में दिए गए प्रावधानों के अनुसार प्रभावी रहेगी।

लखनऊ में क्यूआर कोड का अनोखा अभियान
वार, स्कैन करते ही सामने आएगा ये डाटा

संवाददाता

लखनऊ । लखनऊ के कई प्रमुख इलाकों में महिलाओं के खिलाफ अपराध से जुड़े आंकड़ों वाले व्यूआर कोड पोस्टर लगाए गए हैं। व्यूआर कोड स्कैन करने पर लखनऊ और गोरखपुर से संबंधित अपराध आंकड़े और जानकारी सामने आती है। अभियान का उद्देश्य डिजिटल माध्यम से लोगों को महिलाओं की सुरक्षा और अपराध संबंधी आंकड़ों के प्रति जागरूक करना बताया गया है।

यूपी की राजधानी लखनऊ में इन दिनों एक अनोखा क्यूआर-कोड पोस्टर अभियान लोगों का ध्यान खींच रहा है। हजरतगंज, ऐशबाग, लालबाग, हुसैनगंज, चौक और हुसैनबाद समेत शहर



के कई प्रमुख इलाकों में लगाए गए इन पोस्टरों में महिलाओं के खिलाफ अपराध से जुड़े आंकड़ों को आम लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। इन पोस्टरों में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के

आंकड़ों का इस्तेमाल किया गया है। खास बात यह है कि पोस्टर पर एक इंटरैक्टिव क्यूआर कोड दिया गया है। मोबाइल फोन से इसे स्कैन करने पर लोग लखनऊ और गोरखपुर में महिलाओं के खिलाफ दर्ज अपराधों से

यूपी पुलिस के ये स्पेशल 32 अफसर संभालेंगे मोर्चा, योगी के इस मास्टर प्लान से थर-थर कांपेंगे अपराधी



लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ अब और सख्ती की तैयारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सरकार की ज़ीरो टॉलरेंस नीति को अब वैज्ञानिक जांच की धार देने की कवायद शुरू की गई है। अपराध के बाद घटनास्थल पर छुटे साक्ष्यों को सुरक्षित रखने और वैज्ञानिक तरीके से जांच को आगे बढ़ाने के लिए पुलिस के 'स्पेशल 32 अफसर' तैयार किए जा रहे हैं।

हज़े बीच में 100-100 अफसरों को 40 दिन का प्रशिक्षण दिए जाने के बाद चयनित इन 32 अधिकारियों को अब फॉरेंसिक साइंस और क्राइम सीन मैनेजमेंट में मास्टर ट्रेनिंग दी जा रही है। सभी अंग्रेजी विशेषज्ञता का इस्तेमाल आगे 75 जिलों में पुलिस की क्राइम सीन मैनेजमेंट क्षमता को मजबूत करने में किया जाएगा।

अब वैज्ञानिक तरीके से घटनास्थल को सुरक्षित कर छोटे से छोटे साक्ष्य की पहचान के जरिए जांच को मजबूत आधार मिलेगा। इसके साथ ही अपराधियों के खिलाफ तेजी से सख्त कार्रवाई की जा सकेगी। इसी क्षमता को बढ़ावा देने के लिए अफसरों को फॉरेंसिक और क्राइम सीन मैनेजमेंट में विशेषज्ञता के अगले स्तर तक ले जाया जा रहा है। सभी यूएफएसआईएफएस के संस्थापक निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी ने बताया कि यह स्पेशल ट्रेनिंग उन पुलिस अधिकारियों को दी जा रही है, जो प्रशिक्षण के दौरान टॉप पर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस बार प्रशिक्षण अधिकारियों की व्यावहारिक दक्षता को और बेहतर किया जाएगा। इसके लिए कृत्रिम घटनास्थल तैयार कर उनकी क्षमता का परीक्षण भी किया

राज्यसभा की 10 राज्यसभा सीटों के चुनाव का ऐलान

आपराधिका जांच में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए क्राइम सीन मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। इसी उद्देश्य से यूपीएसआईएफएस ने हैड्स-अप ट्रेनिंग की पहल की है। ऑन-साइड और क्राइम सीन मैनेजमेंट की मास्टर ट्रेनिंग में व्यावहारिक अनुभव यानी एक्सपीरियेंसल लैरनिंग पर जोर दिया जा रहा है। विशेषज्ञों के लेक्चर के साथ हैड्स-ऑन सेशन के जरिए अधिकारियों को विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण में घटनास्थल से तलाशी और जल्दी के नियम, क्राइम सीन नोट्स, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, पहचान और साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया पर फोकस किया जा रहा है। फिंगरप्रिंट और खुन के नमूने जैसे साक्ष्यों को वैज्ञानिक तरीके से पहचानने और सुरक्षित रूप से एक्जैम्बर करने की भारिकारियां भी स्पष्ट कर रही हैं। इसका उद्देश्य यह है कि घटनास्थल पर मौजूद महत्वपूर्ण साक्ष्य अनदेखे न रह जाएं और उन्हें सही तरीके से संरक्षित कर आगे की विवेचना में इस्तेमाल किया जा सके। इससे जांच को साक्ष्य आधारित मजबूत आधार मिलने की संभावना बढ़ेगी। प्रशिक्षण में अलग अलग रात के स्थानों पर क्राइम सीन समेत व्यावहारिक जानकारी भी दी जा रही है। इसके अलावा वास्तविक घटनास्थल पर आने वाली चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों को फील्ड वर्क का महत्व समझाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों को ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए भी तैयार किया जा रहा है, जहां अपराध के साक्ष्य

एह करने, साक्ष्य छिपाने या गलत जानकारी देना का प्रयास किया जा सकता है। इसके जरिए घटनास्थल को सुरक्षित रखने और वैज्ञानिक जांच की प्रक्रिया को व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ाने पर जोर है। छह बैच से आगे बढ़ाने पर जोर है। छह बैच में प्रशिक्षण 600 अफसरों के बाद अब 32 अधिकारियों को मास्टर ट्रेनिंग देने से प्रशिक्षण व्यवस्था का अगले स्तर पर ले जाने की तैयारी है। इनकी विशेषज्ञता का लाभ और जिलों में फ़ाइम सीन मैनेजमेंट से जुड़े अन्य पुलिस अधिकारियों की क्षमता बढ़ाने में लिया जा सकेगा। इस पूरी कवायद का बड़ा उद्देश्य अपराध की जांच में घटनास्थल, सुराग, वैज्ञानिक साक्ष्य और विवेचना के बीच की कड़ी को मजबूत करना है। साक्ष्यों का बेहतर संरक्षण और वैज्ञानिक तरीके से संग्रह जांच को बेहतर आधार देगा और न्यायिक प्रक्रिया में तथ्य प्रस्तुत करने की गुणवत्ता को भी मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अपराध के प्रति जोरो टॉलरेंस की नीति के साथ पुलिस की जांच व्यवस्था को भी लगातार मजबूत करने पर जोर है। प्रदेशवासियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाला व्यवस्था में गंभीर अपराधों के घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने और उनकी वैज्ञानिक जांच की क्षमता मजबूत है। 'स्पेशल 32' इसी व्यवस्था की विशेषज्ञ कड़ी होंगे। इनका प्रशिक्षण पूरा होने के बाद इनके अनुभव और विशेषज्ञता का इस्तेमाल व्यापक पुलिस प्रशिक्षण में किया जाएगा, जिससे 75 जिलों में फ़ाइम सीन मैनेजमेंट और वैज्ञानिक विवेचना की क्षमता को और मजबूत करने की दिशा में काम आगे बढ़ सकेगा।

यूपी की 10 राज्यसभा सीटों के चुनाव का ऐलान

लखनऊ 22 सितम्बर। यूपी में आज राज्यसभा की 10 सीटों के लिए चुनाव का ऐलान हो गया है। विधानसभा में मौजूदा संख्याबल के आधार पर 8 सीटें बीजेपी और 2 सीटें सपा को जीत सकती है। यह तभी होगा जब दोनों ही दलों की ओर से उतने ही प्रत्याशी उतारे जाएँ, जिनकी सीटों के लिए उनके पास संख्याबल है। अगर कोई भी पार्टी अपने पास मौजूद वोट से ज्यादा प्रत्याशी उतारी है तो विधायकों के टूटने और सीटों के हार जीत की संख्या का अन्तः बढ़ सकता है। जो 10 सीटें खाली हो रही हैं उसमें 1 सपा, 1 बसपा और 8 बीजेपी के पास हैं। इस चुनाव के बाद बसपा राज्यसभा में भी शून्य हो जाएगी। विधानसभा में पार्टीवार संख्याबल देखें तो 257 विधायक बीजेपी, सपा 101, अपना दल सोनेलाल 13, राष्ट्रीय लोकदल 9, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी 6, निगढ़ पार्टी 5, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 2, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक 2 और असंबद्ध विधायकों की संख्या 3 है। असंबद्ध विधायकों में मनोज पांडेय, राकेश सिंह और भाभी सिंह शामिल हैं। राज्यसभा सदस्यों के निर्वाचन में केवल विधानसभा के विधायक ही मतदान करते हैं। ऐसे में मौजूदा संख्या बल के आधार पर 7 सीट पर भारतीय जनता पार्टी, 2 सीट सपा जीत सकती है। एक सीट पर लड़ाई के आसार हैं। यूपी विधानसभा में 398 विधायक हैं और 10 सीटों पर चुनाव है। जीत के लिए

राज्य योजनाओं में लागू होगा स्टेट सिंगल

नोडल एजेंसी (एस-एसएनए) मॉडल

योजनाओं की राशि का पारदर्शी, सुरक्षित और प्रभावी उपयोग होगा सुनिश्चित एक योजना-एक बैंक खाता, आवश्यकता के समय ही सीधे हितग्राही एवं बैंडर को भुगतान

रियल-टाइम मॉनिटरिंग से वित्तीय अनुशासन और नकदी प्रबंधन होगा मजबूत सुनील त्रिपाठी
मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में

राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित चिन्हित योजनाओं के लिए राज्य एकल नोडल एजेंसी (एस-एसएनए) मॉडल लागू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। नई व्यवस्था का उद्देश्य राज्य योजनाओं में सरकारी निधि के प्रवाह को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित, कुशल और प्रभावी बनाना है। एस-एसएनए मॉडल के तहत विभिन्न क्रियान्वयन एजेंसियों के अनेक बैंक खातों में पहले से राशि रखने के बजाय प्रत्येक चिन्हित योजना के लिए एक केंद्रीकृत मुख्य खाता (मदर अकाउंट) बनाया जाएगा। योजना के लिए राशि वास्तविक आवश्यकता के अनुसार ही जारी होगी। भुगतान के समय एस-एसएनए खाते से संबंधित शून्य शेष सहायक खाते (जेडबीएसए) के माध्यम से सीधे विक्रेता अथवा हितग्राही के खाते में भुगतान किया जाएगा। इससे सरकारी धन लंबे समय तक निष्क्रिय नहीं रहेगा और उपलब्ध निधि का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य योजनाओं के लिए उपलब्ध प्रत्येक रुपये का अधिकतम और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना है। एस-एसएनए मॉडल से सरकारी धन के प्रवाह में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी तथा योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक समय में निगरानी संभव होगी। इससे वित्तीय अनुशासन मजबूत होने के साथ सुशासन को भी अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं की राशि अनावश्यक रूप से अलग-अलग बैंक खातों में पड़ी रहने के बजाय आवश्यकता के समय सीधे हितग्राही और विक्रेता तक पहुंचेगी। इससे सरकारी संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाने में सहायता मिलेगी।

वित्तीय प्रबंधन को आधुनिक और परिणामोन्मुख बनाएगा मॉडल
वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि एस-एसएनए मॉडल राज्य के वित्तीय प्रबंधन को अधिक आधुनिक, तकनीक आधारित और परिणामोन्मुख बनाएगा। इसका मूल उद्देश्य यह है कि जिस राशि की सरकार को तत्काल आवश्यकता नहीं है, उसे पहले से बैंक खातों में रखने के बजाय जरूरत पड़ने पर ही उपयोग में लाया जाए। इससे राज्य की नकदी प्रबंधन क्षमता बेहतर होगी और उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा।

उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार को विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए संसाधन जुटाने पड़ते हैं, वहीं दूसरी ओर विभिन्न बैंक खातों में सरकारी राशि निष्क्रिय पड़ी रहती है। एस-एसएनए मॉडल इस अंतर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे अनावश्यक ऋण लेने की जरूरत और उस पर लगने वाले ब्याज के भार को कम करने में मदद मिलेगी तथा वित्तीय अनुशासन मजबूत होगा।

केंद्र की एकल नोडल एजेंसी व्यवस्था की तर्ज पर क्रियान्वयन
केंद्र प्रायोजित योजनाओं में भारत सरकार द्वारा लागू एकल नोडल एजेंसी व्यवस्था के अनुरूप राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित चिन्हित योजनाओं में भी एस-एसएनए मॉडल लागू किया जाएगा। इसके तहत योजनाओं के निधि प्रवाह की शुरुआत राज्य कोषागार/ई-कोष से एस-एसएनए खाते तक होगी। इसके बाद क्रियान्वयन एजेंसियों को सीधे राशि हस्तांतरित करने के बजाय उनके लिए निर्धारित व्यय एवं आहरण सीमा उपलब्ध कराई जाएगी। वास्तविक भुगतान के समय ही संबंधित हितग्राही या विक्रेता को राशि जारी की जाएगी।

एक योजना-एक बैंक खाता, लगभग शून्य राशि रहेगी निष्क्रिय
एस-एसएनए मॉडल की प्रमुख विशेषता आवश्यकता के समय निधि जारी करना है। इसके तहत योजना की राशि पहले से अलग-अलग खातों में जमा रखने के बजाय वास्तविक आवश्यकता के समय ही भुगतान किया जाएगा। इससे बैंक खातों में अनावश्यक रूप से पड़ी राशि का कम होगी और योजनाओं की निधि का लगभग शून्य निष्क्रिय शेष सुनिश्चित किया जा सकेगा। इस व्यवस्था में मुख्य खाता और सहायक खाते की प्रणाली के साथ प्रत्यक्ष लाभ अंतरण तथा गैर-प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, दोनों प्रकार के भुगतान शामिल किए जा सकेंगे। जिला, विकासखंड, पंचायत और ग्राम स्तर की चिन्हित क्रियान्वयन एजेंसियों को भी इसके दायरे में लाया जा सकेगा।

कर्ज का बोझ बढ़ेगा



जब रकम वापसी शुरू होगी, तो क्या जो संकट अभी टाला गया है, उसका उस समय अधिक बड़े रूप में सामना करना पड़ेगा? क्या फौरी संकट टालने के लिए भविष्य की चुनौतियां बढ़ा ली गई हैं? फरिन करेंसी नॉन-रेसिडेंट बैंक (एफसीएनआर-बी) योजना के जरिए अनिवासी भारतीयों और विदेशों में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों से विदेशी मुद्रा (मुख्य रूप से डॉलर) लेने की योजना कामयाब रही। इससे उस समय 136 बिलियन डॉलर भारत आए हैं, जब देश से डॉलर की निकासी के कारण रुपया बेहद दबाव में था। आए डॉलर के कारण रुपये की कीमत संभली है। लेकिन इस कामयाबी ने कई आशंकाओं को भी जन्म दिया है। यह एक टर्म डिफॉजिट स्कीम है। इसमें तीन से पांच साल की अवधियों के लिए जाना रकम विदेशी मुद्रा में ही मैच्योर होगी। वह रकम विनिमय दर के उतार-चढ़ाव से प्रभावित नहीं होगी। इस पर मिले ब्याज पर कोई टैक्स भी नहीं लगेगा।

मोटे तौर पर इसे फिक्स्ड डिफॉजिट की ऐसी योजना के रूप में समझा जा सकता है, जिसमें मैच्युरिटी पर मिलने वाली रकम उस दौरान हुई मुद्रास्फीति के प्रभाव से मुक्त रहेगी। जमा रकम पर लगभग 16 प्रतिशत का तय रिटर्न मिलेगा। और इसीलिए यह सवाल उठा है कि तीन साल के बाद जब रकम वापसी शुरू होगी, तो क्या जो संकट अभी टाला गया है, उसका उस समय अधिक बड़े रूप में सामना करना पड़ेगा? बैंकों को भुगतान डॉलर में ही करना होगा, जिससे तब विदेशी मुद्रा भंडार अचानक बड़ा दबाव बढ़ सकता है। इस बीच अमेरिका या अन्य देश अपनी ब्याज दरें बढ़ाते हैं, तो अनिवासी भारतीय निवेशकों को आकर्षित किए रखने के लिए भारतीय बैंकों को भी अधिक ब्याज देना होगा। उससे देश पर कर्ज का बोझ बढ़ेगा। अभी ही इस योजना के कारण भारत पर विदेशी कर्ज का बोझ 765 बिलियन से बढ़ कर लगभग 900 बिलियन डॉलर हो गया है। जब कर्ज के राजस्व का 40 प्रतिशत और बजट का 26 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ ब्याज चुकाने पर खर्च हो रहा हो, तो बड़े ऋण के दुष्परिणाम को समझा जा सकता है। इसीलिए सवाल उठा है कि क्या फौरी संकट टालने के लिए भविष्य की चुनौतियां बढ़ा ली गई हैं? इसीलिए वित्तीय हलकों में यह अंदेशी जताया गया है कि कहीं इस योजना का हाल भी गोल्ड बॉन्ड स्कीम जैसा ना हो जाए !

विचार विमर्श

भूमिगत संरचना का मानचित्रण- संपूर्ण प्रणाली और संपूर्ण सरकार दृष्टिकोण के ज़रिए किस प्रकार आईसीएआर की मृदा आसूचना’ भारत के विशाल अवसंरचना विस्तार को नया रूप दे रही है

लगातार 0.78 से अधिक) प्राप्त हुई है, यहां तक कि कम आंकड़ों वाले क्षेत्रों में भी। अब इन परिकलन विधियों (एल्गोरिदम) को मानकीकृत कर दिया गया है।

वैश्विक उपस्थिति और वाणिज्यिक विश्वसनीयता

इस प्रणाली का भारत के अत्यंत विविध भौगोलिक

क्षेत्रों में कठोर क्षेत्र-परीक्षण किया गया है—

उत्तराखंड और असम के हिमालयी पर्वतीय क्षेत्रों

से लेकर राजस्थान के थार मरुस्थल तथा दक्कन के पठार और सिंधु-गंगा के मैदानों

तक। क्षेत्रीय आंकड़ों के आधार पर मानकीकृत

की गई यह प्रौद्योगिकी अब राष्ट्रीय सीमाओं से

आगे बढ़ चुकी है। प्रमुख सार्वजनिक और निजी

अवसंरचना कंपनियां

भारत और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों में 2,00,000 से अधिक रूट-किलोमीटर

का मानचित्रण करने के लिए इस प्रणाली को

अपना चुकी हैं।

एम.एल. जाट और एन.जी. पाटिल भारत अभूतपूर्व और ऐतिहासिक गति से अपने डिजिटल, फिज़िकल (भौतिक) और फिजिटल (फिजिकल-डिजिटल) भविष्य का निर्माण कर रहा है। देश हर वर्ष औसतन 4.5 लाख से अधिक रूट किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर केबल नेटवर्क का विस्तार कर रहा है, जबकि साथ ही लगभग 11,000 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण और 6,500 किलोमीटर रेलवे ट्रैक का विद्युतीकरण किया जा रहा है और हर वर्ष लगभग 5,000 किलोमीटर रेलवे ट्रैक जोड़े जा रहे हैं। इस व्यापक विस्तार का अर्थ है कि देशभर में डिजिटल कनेक्टिविटी के 22.8 लाख किलोमीटर के आश्चर्यजनक विस्तार वाले बहुवर्षीय राष्ट्रीय विस्तार के साथ-साथ, देश प्रतिदिन लगभग 30 किलोमीटर राजमार्गों और 12 से 15 किलोमीटर नई रेल लाइनों का निर्माण कर रहा है। फिर भी, जैसे-जैसे ये विस्तृत परिवहन गलियारे, अल्ट्रा-मेगा सौर पार्क और विशाल डिजिटल नेटवर्क विस्तार पा रहे हैं, कृषि विज्ञान के नेतृत्व में एक शांत तकनीकी सहयोग भूमि की सतह के ठीक नीचे हो रहा है।

बड़े परियोजनाओं के लिए बोली लगाने वालों को अक्सर पहले से मिट्टी की खुदाई की लागत का अनुमान तैयार करना पड़ता है, भले ही पहले से कोई भूवैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध न हो। चूंकि परियोजनाओं की निविदा प्रक्रिया की समय-सीमा बहुत कम होती है, इसलिए त्वरित और विश्वसनीय मृदा संबंधी आंकड़े इस जोखिम को काफी हद तक कम कर सकते हैं—विशेषकर तब, जब परियोजना भारत के बाहर स्थित हो और स्थानीय भू-भाग संबंधी आंकड़ों तक पहुंच कठिन हो। इसके अलावा, बोली जीतने के बाद, परियोजना क्रियान्वयन-कर्ताओं को बार-बार आने वाली करोड़ों रुपये की समस्या का सामना करना पड़ता है—नरम मिट्टी में आसानी से खुदाई करते हुए इंजीनियरिंग दल अचानक भूमिगत

चट्टान की कठोर दीवार से टकरा जाता है, या भ्रामक काली कपास मिट्टी पर बनाई गई नई सड़क में दरारें पड़ने लगती हैं और वह उखड़ने लगती है। काम रुक जाता है, मशीनरी बेकार खड़ी रहती है और परियोजना की लागत आसमान छूने लगती है। इस महत्वपूर्ण सूचना अंतराल को पाटने के लिए, नागपुर स्थित आईसीएआर-राष्ट्रीय मृदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो (एनबीएसएस एवं एल्यूपी) के वैज्ञानिकों ने एक क्रांतिकारी प्रतिमान विकसित किया है—मृदा आसूचना-आधारित पूर्वानुमानात्मक इंजीनियरिंग। दशकों से उपलब्ध मृदा विज्ञान संबंधी आंकड़ों को उन्नत मशीन लर्निंग के साथ जोड़कर, आईसीएआर बुनियादी ढांचा योजनाकारों को जमीन में पहली फावड़ी लगने से पहले ही पृथ्वी के बारे में एक्स-रे दृष्टि प्रदान कर रहा है—यह सिद्ध करते हुए कि कृषि अनुसंधान खेतों से कहीं आगे राष्ट्रीय विकास का एक आधारभूत चालक है।

गति और विस्तार की अनदेखी की गई चुनौतियां भारत में वर्तमान अवसंरचना विस्तार की अत्यधिक तीव्र गति के कारण पारंपरिक नियोजन स्वयं एक बाधा बन गया है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारत का कुल डिजिटल फुटप्रिंट लगभग 19.35 लाख रूट किलोमीटर से बढ़कर 42.36 लाख रूट किलोमीटर से अधिक हो गया है, जो कई वर्षों में हुए व्यापक विस्तार को दर्शाता है। इसी हालिया पांच-वर्षीय अवधि में, देश ने 57,125 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया है। इसी दौरान, भारतीय रेलवे ने 33,000 से अधिक रूट किलोमीटर का विद्युतीकरण किया है, जो औसतन लगभग 6,600 किलोमीटर प्रतिवर्ष है और ब्रॉड गेज नेटवर्क के विद्युतीकरण को लगभग 99.6त्न तक पहुंचाता है, जिसकी दर प्रतिदिन 15 से अधिक रूट किलोमीटर के विद्युतीकरण की है। स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में, भारत ने अपनी प्रमुख सौर योजना के तहत

विविध

आज का राशिफल

शुभ रंग=महरून
शुभ अंक= 6
तुला राशि= आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज कारोबार में अधिक लाभ होने के योग बन रहे हैं। आज आपको किसी मामले में दूसरों के साथ बातचीत या सलाह करने से फायदा होगा। आज आपके किसी रिश्तेदार से रिश्ते बेहतर होंगे, आपसी मधुरता बढ़ेगी। आज दूसरों की जरूरतों और भावनाओं को लेकर आप सेंसिटिव हो सकते हैं। आज इस राशि के छत्र किसी विषय को समझने के लिए एक्स्ट्रा क्लासेस ले सकते हैं। कुल-मिलाकर आज सब अच्छा बना रहेगा।
शुभ रंग=पर्पल
शुभ अंक= 2
वृश्चिक राशि = आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपके अधिकतर काम सफल होंगे, आप धैर्य और संयम बनाए रखें। आज आपको कारोबार में पैसा लगाने से पहले बड़ों की राय लेना आवश्यक है। बेहतर साबित होगा। साथ ही आप पिता की इच्छएं पूरी करने की कोशिश करेंगे। इस राशि की महिलाएं ऑफिस और घर के कार्यों को संतुलित बनाने में सफल होंगी। आज ऑफिस में आपको नई जिम्मेदारी मिलेगी, जिसे आप बखूबी पूरा करने में सफल रहेंगे। आज कला और अभिनय के क्षेत्र में आपको बड़े अवसर प्राप्त होंगे, जिसके माध्यम से आप अपने करियर को सफल बनाएंगे।
शुभ रंग= पीला
शुभ अंक= 7
धनु राशि= आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे वह समय पर पूरा हो जाएगा। साथ ही आपको करियर से संबंधित नए अवसर मिलेंगे। आज आप किसी चीज को समझने के लिए अनुभवी व्यक्ति से सलाह ले सकते हैं। आप अपने किसी दिन में से कुछ समय अपने बच्चों के लिए निकालेंगे और उनके साथ खूब एंजॉय करते हुए नजर आएंगे, इससे आपको तरोताजा महसूस होगा। आज आपको किसी काम के लिए ज्यादा भागदौड़ करनी पड़ सकती है, ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं सेहत अच्छी रहेगी।
शुभ रंग= ग्रे
शुभ अंक= 1
मकर राशि= आज आपका दिन फेबरेबल रहेगा। आज घर के बड़ों की मदद से आपका जरूरी काम पूरा हो जाएगा। साथ ही किसी रिश्तेदार से आपका खुशखबरी मिलेगी। आज जीवनसाथी आपकी हर बात समझने की कोशिश करेंगे, इससे रिश्तों में अपनापन बना रहेगा। आज सामाजिक कार्यों में सहयोग देने से आपको अच्छा फील होगा और जरूरतमंदों की मदद भी हो जाएगी। आज आपको किसी सम्मानित व्यक्ति से मिलने का मौका मिल सकता है। आज स्वास्थ्य के लिहाज से दिन बेहतर रहेगा।
शुभ रंग= सिल्वर
शुभ अंक= 8
कुंभ राशि= आज आपका दिन खुशहाल बना रहेगा। आज ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी, बॉस भी आपसे खुश नजर आएंगे। साथ ही किसी विशेष व्यक्ति से आज आपकी बात हो सकती है। आज आपको आर्थिक रूप से लाभ मिलेगा, धन के नए स्रोत प्राप्त होंगे। आज आपके सरकारी कार्य किसी उच्चाधिकारी के सहयोग से बन जाएंगे, जिससे आपको खुशी मिलेगी। आज लंबे समय बाद किसी दोस्त से आपकी मुलाकात होगी, जिससे मित्रत्व आपके प्रसन्नता होगी। आज आपको किसी पारिवारिक उलझन से मुक्ति मिलेगी, जिससे आपके सिर से बहुत बड़ा बोझ हटेगा।
शुभ रंग= बैंगनी
शुभ अंक= 9
मीन राशि= आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपको व्यापारिक लाभ कमाने का बेहतरीन अवसर प्राप्त होगा और आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज आपको अपनी वाणी पर संयम बनाए रखने की जरूरत है तथा किसी बात को लेकर ज्यादा जिद करने से भी बचना चाहिए। आज आप सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे, समाज में आपका सम्मान होगा।
आज आपके दायत्व जीवन में खुशियां आएंगी, संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलेगा।

आईसीएआर का मृदा वर्गीकरण इंजन सटीक, स्थल-विशिष्ट पूर्वानुमान तैयार करता है। यह प्रणाली मृदा की गहराई (नरम, कठोर या मिश्रित परतों की गहराई) और अन्य मापदंडों का सटीक पूर्वानुमान लगाती है। इन मापदंडों का उपयोग इंजीनियरिंग एजेंसियों द्वारा प्रारंभिक भू-तकनीकी डिजाइन, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने और बोली-पूर्व लागत अनुमान के लिए सीधे किया जाता है।

पारंपरिक क्षेत्र सर्वेक्षणों की तुलना में, यह डिजिटल समाधान लागत और समय दोनों में 75त्न की कमी करता है। तीन सदस्यों की एक छोटी टीम प्रतिदिन लगभग 1,000 किलोमीटर लंबे मार्ग को संसाधित कर सकती है, जिससे यह बड़े पैमाने पर, समयबद्ध राष्ट्रीय नियोजन के लिए विशेष रूप से उपयुक्त बन जाता है। भारतभर में 50,000 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में इस पूर्वानुमानात्मक दृष्टिकोण का, सत्यापन करने के बाद, क्षेत्र में सत्यापित आंकड़ों के मुकाबले लगभग 80त्न की पूर्वानुमान सटीकता (ऋट मान लगातार 0.78 से अधिक) प्राप्त हुई है, यहां तक कि कम आंकड़ों वाले क्षेत्रों में भी। अब इन परिकलन विधियों (एल्गोरिदम) को मानकीकृत कर दिया गया है। वैश्विक उपस्थिति और वाणिज्यिक विश्वसनीयता

इस प्रणाली का भारत के अत्यंत विविध भौगोलिक क्षेत्रों में कठोर क्षेत्र-परीक्षण किया गया है—उत्तराखंड और असम के हिमालयी पर्वतीय क्षेत्रों से लेकर राजस्थान के थार मरुस्थल तथा दक्कन के पठार और सिंधु-गंगा के मैदानों तक। क्षेत्रीय आंकड़ों के आधार पर मानकीकृत की गई यह प्रौद्योगिकी अब राष्ट्रीय सीमाओं से आगे बढ़ चुकी है। प्रमुख सार्वजनिक और निजी अवसंरचना कंपनियां भारत और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों में 2,00,000 से अधिक रूट-किलोमीटर का मानचित्रण करने के लिए इस प्रणाली को अपना चुकी हैं, जिससे आईसीएआर के अनुसंधान पारितंत्र के लिए संसाधन जुटाने के साथ-साथ बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की तीन दिवसीय अमेरिका यात्रा के कूटनीतिक मायने

कमलेश पांडे ।
चीन के राष्ट्रपति शी जिनापिंग को अमेरिका यात्रा वैश्विक भू-राजनीति और दोनों देशों के रिश्तों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शी जिनापिंग का स्वागत करने और स्टेट डिनर देने के फैसले से साफ है कि दोनों महाशक्तियां तनाव को कम कर नए तालमेल की ओर बढ़ना चाहती हैं।

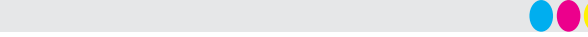
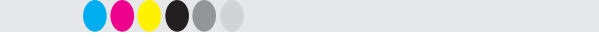
चीनी राष्ट्रपति शी जिनापिंग अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निमंत्रण पर 23 से 25 सितंबर 2026 तक अमेरिका की राजकीय यात्रा पर रहेंगे। शी जिनापिंग 23 सितंबर को वाशिंगटन पहुंचेंगे। उनका यह दौरा 25 सितंबर को समाप्त होगा, जिसके बाद उनकी वापसी होगी। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच शिखर वार्ता होगी, जिसमें व्यापार, टैरिफ, कृत्रिम बुद्धिमता और अन्य वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनापिंग को अमेरिका यात्रा वैश्विक भू-राजनीति और दोनों देशों के रिश्तों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शी जिनापिंग का स्वागत करने और स्टेट डिनर देने के फैसले से साफ है कि दोनों महाशक्तियां तनाव को कम कर नए तालमेल की ओर बढ़ना चाहती हैं।

लिहाजा इस यात्रा पर पूरी दुनिया के कूटनीतिज्ञों की नजर होगी। इस पर रूस और भारत की खास नजर बनी रहेगी, क्योंकि अमेरिका चाहेगा कि रूस और भारत से प्रगाढ़ हो रहे चीन के रिश्तों में कुछ खलल पैदा किया जाए। चूंकि अमेरिका ने सोवियत संघ और भारत के खिलाफ चीन को रणनीतिक मजबूती दी थी, लेकिन बाद में वो उसकी भूल साबित हुई। चीन को काबू में रखने के लिए अमेरिका ने भारत को शह दिया, लेकिन यहां भी उसका दांव उल्टा पड़ गया। नएस्थान तलाशें

इसलिए अमेरिका अब रूस और चीन से वन टू वन, और फिर जी-3 के माध्यम से बातचीत करने को उतावला है ताकि भारत, जापान, फ्रांस, दक्षिण कोरिया, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और ईरान जैसे महत्वाकांक्षी देशों को काबू में रखा जा सके। लेकिन यदि चीन व्यवहारिक कूटनीति को छोड़कर अमेरिकी मायाजाल में फंस्तता है तो फिर कहीं का नहीं रहेगा, क्योंकि भारत और रूस की समझदारी इतनी परिष्क व मजबूत है कि उन्हें आंख दिखाने वाले उसी अंतर्राष्ट्रीय फजौहरी को प्राप्त करेंगे, जैसा कि अभी अमेरिका भुगत रहा है।

इस यात्रा के प्रमुख कूटनीतिक मायने एक, व्यापार युद्ध और टैरिफ में संतुलन= अमेरिका द्वारा चीनी सामानों पर अत्यधिक टैरिफ और नियात प्रतिबंध लगाने के बावजूद चीन ने रेयर अर्थ खनिजों और महत्वपूर्ण तकनीकों की सप्लाई रोककर कड़ा रुख अपनाया। इस यात्रा का प्रार्थमिक उद्देश्य नए व्यापारिक समझौते की रूपरेखा तैयार करना और दोनों देशों के बीच जारी आर्थिक/व्यापारिक तनाव को कम करना है। दो, रेयर अर्थ और द्रव् की होड़= स्मार्टफोन, रक्षा सामग्री, इलेक्ट्रिक वाहनों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए आवश्यक रेयर अर्थ खनिजों की वैश्विक आपूर्ति पर चीन का नियंत्रण है। अमेरिका अपनी सप्लाई को सुरक्षित रखना चाहता है, जबकि चीन अमेरिका द्वारा सेमीकंडक्टर/चिप तकनीक पर लगाए गए प्रतिबंधों में ढील चाहता है। तीन, वैश्विक स्थिरता और मध्य-पूर्व संकट= दुनिया के दो बड़े नेताओं का मिशन वैश्विक बाजारों और अर्थव्यवस्था में स्थिरता का संदेश देता है। वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा, हार्मुज जलडमरूमध्य के आसपास बढ़ते तनाव और रणनीतिक समुद्री रास्तों को सुचारू रखने जैसे मुद्दों पर दोनों देश कूटनीतिक सहयोग की गुंजाइश तलाश रहे हैं। चार, ताइवान और क्षेत्रीय सुरक्षा= चीन हमेशा से ताइवान पर अपने संप्रभु अधिकारों का दावा करता आया है। इस बैठक में अमेरिकी हथियारों की ताइवान को बिक्री पर चर्चा हो सकती है। बीजिंग इस मंच का इस्तेमाल अमेरिका को ताइवान के मामले में हस्तक्षेप कम करने का कूटनीतिक दबाव बनाने के लिए करेगा। कूटनीतिक संदर्भ के क्षेत्र, अमेरिकी हित और चीनी हित व्यापार में अमेरिकी सोयाबीन व कृषि उत्पादों की बिक्री व बाजार पहुंच पर डील करेगा, जबकि चीन टैरिफ दरों में कमी और आर्थिक स्थिरता पर जोर देगा।

तीन दिवसीय में अमेरिका और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अपनी बहात बनाए रखना चाहेगा, जबकि चीन अमेरिकी टेक एक्सपोर्ट बैन और प्रतिबंधों से राहत चाहेगा।



600 से अधिक लोगों ने उठाया फावड़ा, ढेकुलिया घाट से तीन टन कचरा साफ

संवाददाता मऊ। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत मंगलवार को जिला गंगा समिति एवं नगर पालिका परिषद मऊ के संयुक्त तत्वावधान में ढेकुलिया घाट के नदी तट और आसपास के क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नदी तट और आसपास से तीन टन से अधिक कूड़ा-कचरा एकत्र कर हटाया गया। अभियान में डीसीएसके पीजी कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) स्वयंसेवकों, मुस्लिम इंटर कॉलेज और सुदामी देवी कॉन्वेंट स्कूल के विद्यार्थियों समेत 600 से अधिक लोगों ने सहभागिता की। जिला गंगा समिति के जिला परियोजना अधिकारी डॉ. हेमंत यादव के संयोजन में आयोजित अभियान में जनप्रतिनिधियों, नगर पालिका



अधिकारियों, सफाई कर्मियों और स्थानीय नागरिकों ने भी श्रमदान किया। इस दौरान जिला परियोजना अधिकारी डॉ. हेमंत यादव ने लोगों को कचरे को स्रोत पर ही गीले, सूखे

और घरेलू खतरनाक कचरे के रूप में विविधता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वच्छता का संदेश घर-घर और समाज तक पहुंचाने का आह्वान किया। नगर पालिका परिषद के अधिशासी

अधिकारी डॉ. मणि भूषण तिवारी ने कहा कि स्वच्छता अभियान को सफल बनाने में प्रशासन के साथ नागरिकों, विद्यार्थियों और स्थानीय समुदाय की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने नदी तट, नालियों और सार्वजनिक स्थलों पर कूड़ा न फेंकने तथा घरों से निकलने वाले कचरे को अलग-अलग कर निर्धारित स्थान पर देने की अपील की। अभियान के अंत में प्रतिभागियों ने श्रमदान कर नदी तट की सफाई की और नदी स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस दौरान भाजपा महामंत्री प्रतीक जायसवाल, क्षेत्र वन अधिकारी ए.के. उपाध्याय, स्वच्छता बांड एंबेसडर राजेश श्रीवास्तव समेत अधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

परेड से परिसर तक एसपी की नजर, वाहनों और व्यवस्थाओं का लिया जायजा

संवाददाता मऊ। रिजर्व पुलिस लाइन में मंगलवार को आयोजित परेड की अपर पुलिस अधीक्षक अनुप कुमार ने सलामी ली और परेड का निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिसकर्मियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहने के



लिए परेड के दौरान दौड़ भी लगवाई। निरीक्षण के दौरान एसपी ने यूपी-112 और विभिन्न थानों से आए वाहनों की गहनता से जांच की। पीआरवी पर तैनात पुलिसकर्मियों से वाहनों में उपलब्ध दंगा नियंत्रण एवं सुरक्षा उपकरणों की जानकारी ली तथा उपकरणों की स्थिति भी देखी। इसके बाद उन्होंने क्वार्टर गार्द, स्टोर, परिवहन शाखा, मेस, पुलिस बैरक और पुलिस लाइन परिसर का निरीक्षण किया। परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था बेहतर रखने के लिए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान प्रतिसार निरीक्षक अरुण कुमार सिंह समेत पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

तिघरा धाम में गुंजा सेवा संकल्प, 200 लोगों ने लिया विकसित भारत का प्रण

संवाददाता मऊ। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद, मऊ के सौजन्य से तिघरा धाम में ‘सेवा संकल्प महायज्ञ’ का आयोजन किया गया। इसमें करीब 200 स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर यज्ञ में आहुति दी और राष्ट्रहित व समाजहित में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। महायज्ञ में लोगों ने सामाजिक एकजुटता, सेवा भावना, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और क्षेत्र के समग्र विकास में भागीदारी निभाने का प्रण लिया। वक्ताओं ने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में जनभागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका है। सामूहिक प्रयासों से समाज और देश के विकास को गति दी जा सकती है। इस दौरान तिघरा धाम की धार्मिक एवं



सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण तथा क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रति भी लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय लोगों को अपनी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के साथ विकास के संकल्प में सहभागी बनाना रहा। महायज्ञ में लोगों ने सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण की भावना के साथ विकसित भारत के संकल्प को साकार करने का आह्वान किया।

बिजली विभाग की लापरवाही से हादसे का खतरा, जड़ से गायब हो सकता है खंभा

संवाददाता वलीदपुर। वलीदपुर नगर पंचायत के बड़ी बाजार में बिजली विभाग की लापरवाही के चलते बड़ा हादसा होने का खतरा बना हुआ है। विद्युत लाइन के लिए लगाया गया खंभा नीचे से पूरी तरह जर्जर हो चुका है और उसकी जड़ का हिस्सा कमजोर होने के कारण कभी भी गिर सकता है। खंभे के आसपास से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते हैं। ऐसे में यदि खंभा अचानक गिरा तो जनहानि के साथ ही विद्युत आपूर्ति भी प्रभावित हो सकती है। नगर के राजकुमार पवन अमन सुनील अमर अमर आदि लोगों का कहना है कि खंभे की हालत काफी समय से खराब है। नीचे का हिस्सा गलने के साथ मिट्टी भी हट गई है, जिससे खंभा महज तारों के सहारे खड़ा नजर आ रहा है। तेज हवा या बारिश के दौरान इसके गिरने की आशंका और बढ़ जाती है। सामने दुर्गा पूजा का पर्व आ रहा है बाजार में बड़ी संख्या में लोग रिविचार और बृहस्पतिवार को जुड़े हैं प्रतिदिन सैकड़ों लोगों का आना-जाना लगा रहता है इसके बगलजुद विभागीय कर्मचारियों की ओर से अब तक इसे बदलने अथवा सुरक्षित करने की कार्रवाई नहीं की गई है। कई बार संबंधित कर्मचारियों को खंभे की स्थिति से अवगत कराया गया, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। लोगों ने विभाग के उच्चाधिकारियों से मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए जर्जर खंभे को हटकर नया खंभा लगाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि विभाग यदि समय रहते कार्रवाई नहीं करता है तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी कि हादसे के बाद कार्रवाई करने के बजाय विभाग को अभी से सुरक्षा के इंतजाम करने चाहिए। इस बाबत एसडीओ शैलेश कुण ने बताया कि इसकी जांच करा कर जल्द से जल्द ऐसे खामों को हटया जाएगा।

जन चौपाल में पहुंचा गांव का दर्द, अधिकारियों ने सुनीं समस्याएं - विभागीय स्टॉलों पर योजनाओं की दी गई जानकारी, पात्र लाभार्थियों को आवेदन प्रक्रिया समझाई



संवाददाता मऊ।सेवा संकल्प अभियान के तहत मंगलवार को जनपद के सभी विकास खंडों में जन चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनने के साथ ही उन्हें केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और

रखीं। अधिकारियों ने शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के कर्मचारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जिन मामलों का समाधान मौके पर संभव था, उनका तत्काल निस्तारण कराया गया। वहीं अन्य शिकायतों में नियमानुसार शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। जिलाधिकारी के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के साथ पात्र लोगों को योजनाओं से जोड़ने के लिए जागरूक किया गया। अधिकारियों ने कहा कि शासन का उद्देश्य पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से पहुंचाना है, ताकि ग्रामीणों को सरकारी सेवाओं के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। जन चौपाल के माध्यम से प्रशासन

संचारी रोग व दस्तक अभियान को लेकर टास्क फोर्स की बैठक

संवाददाता घोसी। तहसील सभागार में मंगलवार को एसडीएम अशोक कुमार सिंह की अध्यक्षता में संचारी रोग एवं दस्तक अभियान को लेकर तहसील स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक हुई। बैठक में एक से 31 अक्टूबर तक चलने वाले संचारी रोग अभियान तथा 12 से 31 अक्टूबर तक चलने वाले दस्तक अभियान



कर्मचारी मौजूद रहे।

घोसी नगर में सेवासंकल्पअभियान के तहत सफाई कर्मचारियों ने प्रधानमंत्री का मनाया जन्मदिन



संवाददाता घोसी।मऊ। घोसी नगर पंचायत में सेवा संकल्प अभियान के तहत पंचायत सभागार में सफाई कर्मचारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17

अक्टूबर तक चलने वाले अभियान के तहत सोमवार को घोसी नगर पंचायत सभागार में सफाई कर्मचारी संघ द्वारा कार्यक्रम आयोजित कर प्रधानमंत्री का जन्म दिन मनाया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सफाई कर्मचारी संघ की अध्यक्ष शकीला बानो ने की। मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष मुन्ना गुप्ता रहे। कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष मुन्ना गुप्ता ने ईओ अनिल कुमार के साथ सफाई कर्मचारी संघ अध्यक्ष शकीला बानो, एवं सफाई नायक विमलेश कुमार के साथ केक काटकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। चेरमैन मुन्ना गुप्ता ने कहा कि स्वच्छता और सेवा समाज की जिम्मेदारी है। नगर को स्वच्छ रखने में सफाई कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी कर्मचारियों को पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने कार्यों का निर्वहन करते हुए स्वच्छता अभियान को सफल बनाने में योगदान देना चाहिए। सफाई कर्मचारी संघ की अध्यक्ष शकीला बानो ने कहा कि सफाई कर्मचारी नियमित रूप से नगर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से स्वच्छता के साथ ही जनसेवा का संदेश लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में सफाई नायक विमलेश कुमार, रमाकांत के अलावा अफजल, अबु हुर्रा, सौदगर, नजमा, एखलाक अहमद, बदरे आलम, जमीला, आबिदा, गुड्डिया, सम्भा देवी सहित नगर पंचायत के सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

अदरी नगर पंचायत ने चलाया स्वच्छता अभियान



सुथरा रखने में मदद करने की अपील की गई। और कहा गया कि वे कचरा सड़क पर इधर-उधर न फेंके। इसके बजाय उसे नगर पंचायत द्वारा लगाए गए डस्टबिन या कूड़ा गाड़ी में डालें। उन्होंने कहा कि ‘स्वच्छ अदरी, स्वच्छ भारत’ के संकल्प को साकार करने के लिए नगर को कचरामुक्त और प्लास्टिकमुक्त बनाने में प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है। लोगों से अपने आसपास नियमित रूप से साफ-सफाई रखने, प्लास्टिक के प्रयोग को कम करने तथा गीले और सूखे कचरे का उचित निस्तारण करने की अपील की गई। इस अभियान के दौरान ईओ अनिल कुमार, सरफराज, संजीत यादव, मुन्ना मोदनवाल, नगर पंचायत कमी आदि मौजूद थे।

कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पाकर जागरूक हुए निर्माण श्रमिक

- कैप में 22 श्रमिकों का पंजीयन, नौ के पंजीयन का कराया गया नवीनीकरण संवाददाता मऊ। सहायक श्रमायुक्त के निर्देश पर मंगलवार को विकास खंड मुहम्मदबाद गोहना में निर्माण श्रमिकों के लिए जागरूकता कैप लगाया गया। इसमें श्रमिकों को श्रम विभाग की ओर से संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ पात्र श्रमिकों के आवेदन भी कराए गए। कैप में श्रमिकों को योजनाओं की पात्रता, जरूरी अभिलेख और आवेदन प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही श्रम विभाग में पंजीयन और पंजीयन के नवीनीकरण के लिए जागरूक किया गया। इस दौरान 22 निर्माण श्रमिकों का नया पंजीयन और नौ श्रमिकों के पंजीयन का नवीनीकरण कराया गया। जनसेवा केंद्र के माध्यम से विभिन्न योजनाओं के लिए पात्र श्रमिकों के आवेदन भी कराए गए। इसमें मातुल्य शिशु एवं बालिका मदद योजना का एक और संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना के छह आवेदन शामिल रहे। श्रमिकों को कन्या विवाह सहायता योजना समेत अन्य योजनाओं की भी जानकारी दी गई। कैप में डिजिटल लेबर एप के बारे में भी श्रमिकों को बताया गया। अधिकारियों ने कहा कि पात्र श्रमिक समय से अपना पंजीयन और नवीनीकरण कराकर शासन की योजनाओं का लाभ ले सकते हैं। इस दौरान लिपिक सतीश विश्वकर्मा, लिपिक लालजी और विकास सिंह मौजूद रहे।



सक्षिप्त खबरें...

अतिरिक्त हलकों का काम छोड़ लेखपालों ने किया प्रदर्शन, नारेबाजी कर जताया विरोध



संवाददाता मधुबन। लंबित मांगों को लेकर लेखपाल संघ ने मंगलवार को अतिरिक्त हलकों का काम छोड़कर प्रदर्शन किया। अध्यक्ष शरद यादव के नेतृत्व में लेखपालों ने नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। लेखपालों का कहना है कि उनकी कई मांगें लंबे समय से लंबित हैं। मांगों के निस्तारण को लेकर पूर्व में भी अधिकारियों के माध्यम से शासन को ज्ञापन भेजा गया था। अपेक्षित कार्रवाई न होने पर संघ ने अतिरिक्त हलकों के कार्य का बहिष्कार करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान लेखपालों ने नारेबाजी कर अपनी मांगों को प्रमुखता से उठाया। संघ ने मांगों के शीघ्र निस्तारण की मांग की है। इस मौके पर लेखपाल मनीष श्रीवास्त्व, मनीष मिश्रा, विजेन्द्र गोड, धनंजय कुमार, अनिल कुमार आदि मौजूद रहे।

पेड़ उखाड़ने का विरोध करने पर घर में घुसकर मारपीट का आरोप, तीन पर मुकदमा

संवाददाता मधुबन। थाना मधुबन क्षेत्र के सिकड़ीकोल गांव में खेत से पेड़ उखाड़ने का विरोध करने पर गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी और घर में घुसकर मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, धरिययासाथ निवासी अजयद सिंह पुत्र भानुप्रताप सिंह की तहरीर पर सिकड़ीकोल निवासी इंद्रजीत सिंह पुत्र रमाशंकर सिंह, मीना देवी पत्नी इंद्रजीत सिंह और अवधेश पुत्र इंद्रजीत सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। तहरीर के मुताबिक, आवेदक के मामा के खेत से पेड़ उखाड़े जाने का विरोध करने पर आरोपितों द्वारा आवेदक और उसके मामा के साथ गाली-गलौज की गई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। इसके बाद घर में घुसकर मारपीट करने का भी आरोप लगाया गया है। पुलिस ने मामले में धारा 115(2), 352, 351(3) और 333 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया है। मुकदमा संख्या 362/2026 है। पुलिस के मुताबिक घटना 4 सितंबर 2026 को सुबह करीब नौ बजे की बताई गई है, जबकि मुकदमा 21 सितंबर 2026 को शाम 4=20 बजे दर्ज किया गया। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक ओमप्रकाश सिंह द्वारा की जा रही है।

मधुबन नगर पंचायत अध्यक्ष पर कार्रवाई की मांग का मामला- हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को दिया दो माह का अल्टीमेटम

संवाददाता मऊ। मधुबन नगर पंचायत की चेयरपर्सन आरती मल्ल से जुड़े मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण आदेश दिया है। कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार को शिकायत पर कानून के अनुसार उचित निर्णय लेने के लिए दो माह का समय दिया है। मामला नगर पंचायत में कथित वित्तीय अनियमितताओं और जांच रिपोर्ट पर आगे की कार्रवाई से जुड़ा है। 21 सितंबर 2026 को कोर्ट नंबर-1 में हुई सुनवाई में न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की पीठ ने अखिलेश राज, नीलेश राजरत्नल एवं अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य एवं 8 अन्य की याचिका का निस्तारण करते हुए यह निर्देश दिया। याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट में दाखिल याचिका में मांग की थी कि मधुबन तहसीलदार की 4 जुलाई 2026 की जांच रिपोर्ट को जिलाधिकारी मऊ और अपर जिलाधिकारी (स्थानीय निकाय), मऊ के माध्यम से राज्य सरकार को भेजा जाए। याचिका में रिपोर्ट के आधार पर नगर पंचायत अध्यक्ष के विरुद्ध उत्तर प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1916 की धारा 48(2) के तहत कार्रवाई शुरू करने की मांग की गई थी। याचिका में यह भी मांग की गई थी कि कार्रवाई लंबित रहने के दौरान कानून के प्रावधानों के तहत अध्यक्ष की वित्तीय एवं प्रशासनिक शक्तियों पर रोक लगाने पर विचार किया जाए। मामले में याचिकाकर्ताओं की ओर से कथित रूप से सार्वजनिक धन के दुरुपयोग को लेकर संबंधित लोगों, कथित रूप से सलित रिश्तेदारों, आउटसोर्सिंग एजेंसियों और अन्य लोगों के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता के तहत एफआईआर दर्ज कराने की मांग भी की गई थी। हालांकि, हाईकोर्ट के 21 सितंबर के आदेश में इन आरोपों को सिद्ध माना नहीं गया है। कोर्ट ने मुख्य रूप से राज्य सरकार को प्राप्त शिकायत और जांच रिपोर्ट पर नियमानुसार निर्णय लेने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि आजमगढ़ मंडल के आयुक्त कार्यालय की ओर से 1 सितंबर 2026 के पत्र के माध्यम से जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को प्रस्तुत की जा चुकी है। इस जानकारी के बाद कोर्ट ने कहा कि चूंकि रिपोर्ट राज्य सरकार के समक्ष प्रस्तुत हो चुकी है, इसलिए राज्य सरकार शिकायत पर उचित आदेश पारित करे। हाईकोर्ट ने निर्देश दिया कि आदेश की प्रामाणित प्रति राज्य सरकार के समक्ष प्रस्तुत किए जाने की तारीख से दो माह के भीतर शिकायत पर उचित निर्णय लिया जाए। इसके साथ ही कोर्ट ने याचिका का निस्तारण कर दिया। यानी हाईकोर्ट ने इस स्तर पर नगर पंचायत अध्यक्ष को हटाने या उनके खिलाफ आरोपों को सही ठहराने का कोई अंतिम फैसला नहीं दिया है। आज जांच रिपोर्ट और शिकायत पर आगे की कार्रवाई का फैसला राज्य सरकार के स्तर पर होना है।

जिलाधिकारी ने ली गौ आश्रय स्थलों के प्रभावी अनुश्रवण एवं मूल्यांकन समिति की बैठक



संवाददाता	आयोजित की गई। इस अवसर पर
ज्ञाव । विकास भवन सभागार में	जिलाधिकारी ने जनपद के गौ आश्रय
जिलाधिकारी घनश्याम मीना की	स्थलों की व्यवस्थाओं, गोवंश के
अध्यक्षता ने गौ आश्रय स्थलों के	संरक्षण,हरा चारा की व्यवस्था भूसा
संरक्षण संवर्धन अनुश्रवण व	की उपलब्धता, जल निकासी की
व्यवस्थाओं को लेकर बैठक	व्यवस्था साफ-सफाई तथा

टीकाकरण आदि बिंदुओं पर समीक्षा की। नगर पंचायत में गौशाला के कई सालों से नियमाधीन होने के कारण कोई संतोषजनक प्रगति न होने साथ ही अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत मोहन के बैठक में अनुपस्थित होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त तत्काल प्रभाव से आरंभ आदेशों तक वेतन रोकने के निर्देश जिला अधिकारी ने दिया। इसी प्रकार बिस्वल गौशाला के ग्राम प्रभजन द्वारा गौ संरक्षण में कोई ध्यान न गौशाला में अव्यवस्था के चलते कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए ग्राम प्रभजन पर कार्यवाही के लिए प्रभावली प्रस्तुत करने के निर्देश मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को दिया। इसी प्रकार गौ संरक्षण में कोई भी ध्यान न

पिए जाने, 15 दिन से बिना जानकारी के अनुपस्थिति रहने के चलते गौशाला से चार्ज हटाने और निर्लोकित किये के जिलाधिकारी ने निर्देश दिया।

जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जो भी सूझ पर जो खुद पशु घूम रहे हैं उसके लिए 15 दिन का अभियान चलाया जाए और संजचित गौशाला में उन्हें शिफ्ट किया जाए। कहा कि इस अभियान को गंभीरता से न लेने वाले अधिकारी बख्से नहीं जाएंगे कठोर कार्रवाई की जाएगी। कहा कि यदि कोई भी पशु रोड पर दिखा तो सज़ान आने पर जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह अभियान 15 दिन के लिए

चलाया जाना चाहिए। अधिमान
खंड विकास अधिकारी नगर
सबसे अधिक शिक्षासी अधिकारी और
पालिका नगर पंचायत और पशुपालन
से जुड़े अधिकारियों के साथ चलाया
जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि
सभी गौ आश्रय स्थलों पर गोवश के
लिए पर्याप्त मात्रा में हरे चारे की
व्यवस्था हो, स्वच्छ पेयजल तथा
छाया की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित
कराए। आश्रय स्थलों में नियमित
साफ-सफाई एवं गोवश के स्वास्थ्य
परीक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए।
उन्होंने कहा कि गौ आश्रय स्थलों का
नियमित अनुश्रवण एवं स्थलों
निर्यामण करते हुए कमियों को
तत्काल दूर कराया जाए। बीमार एवं
कमजोर गोवश के उपचार की

समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए
तथा शासन की मंशा के अनुरूप
निर्देशित गेवोंश का संरक्षण प्रभावी
रूप से किया जाए।

जिलाधिकारी ने संबंधित
अधिकारियों को निर्देश दिए कि गौ
आश्रय स्थलों से संबंधित कार्यों में
किसी भी प्रकार की लापरवाही न
बरती जाए और निर्धारित मानकों के
अनुसार व्यवस्थाएं सुनिश्चित की
जाएँ। बैठक में मुख्य विकास
अधिकारी सुश्री कृति सिंह
परियोजना निदेशक तेजवंत राज
जिला विकास अधिकारी श्री देव
चतुर्वेदी मुख्य पशु चिकित्सा
अधिकारी डॉक्टर विनोद कुमार
सहित अन्य संबंधित विभागों के
अधिकारी उपस्थित रहे।

संवाददाता

आवा। अजगन फीडर और सोहरामऊ फीडर से जुड़े हजारों गांवों में पिछले करीब दो-तीन दिनों से बिजली आपूर्ति प्रभावित होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। तत्कालीन काम का आरोप है कि बार-बार बिजली बाधित होने से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। बताया जा रहा है कि बिजली कर्मचारियों द्वारा गुप में -लाइन क्लब- होने का मौसम भेजकर सूचना दी जाती है। वहीं, फीडर में तैयत कर्मचारियों के सामने भी सीमित संसाधनों और तकनीकी समस्याओं के कारण काम करने की चुनौती बनी हुई है। ग्रामीणों का खवाल है कि जब ग्रामीण क्षेत्रों में घंटों बिजली आपूर्ति बाधित रहती है, तो कुछ बड़े औद्योगिक प्रतिष्ठानों, फैक्ट्रियों और वेयरहाउस क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति अपेक्षाकृत निबांध केसे बनी रहती है। क्या इन क्षेत्रों के लिए अलग व्यवस्था है? यदि है तो उसकी जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए। इस पूरे मामले को लेकर बिजली विभाग के स्थानीय अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी खवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शिकायतों और गुप पर आने वाली सूचनाओं के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है। सबसे बड़ा खवाल-क्या संबंधित अधिकारी वास्तव में फीडर की स्थिति की गिरावट कर रहे हैं? लगातार बिजली संकट का असर सरकार की छवि पर भी पड़ रहा है। ग्रामीणों की मांग है कि संबंधित उच्चाधिकारियों को दी जा रही आपूर्ति की व्यवस्था की जांच कराएँ। ग्रामीणों का कहना है-बिजली विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचकर स्थिति देखें, सिर्फ एसी कमरों में बैठकर रिपोर्ट पर निर्भर न रहें।

शहर में खुले में डाला जा रहा है कूड़ा,
लोगों के स्वास्थ्य से हों रहा है खिलवाड़

संवाददाता
आज। आज शहर में रैजिडेंशियल एरिया में कूड़ा डालना लोगों के स्वास्थ्य और जान से खिलवावल करने के बराबर है यदि इसका विरोध ना समझ कर नैतिक जिम्मेदारी समझा जाते तो कूड़ा डॉपिंग का स्थान बदलने का कष्ट कर शहर वासियों को बीमारियों से निजात दिलवाया जा सकता है , शहर के ऐसे कुछ प्रमुख स्थानों पर नगर पालिका परिषद आज द्वारा कूड़ा डाला जाता है,जहां मुख्य मार्ग को जोड़ने वाली खुली सड़क, स्कूल , रेस्टोरेंट पेट्रोल पंप पहले से मौजूद है उसके आस पास कूड़े के ढेर को रोजाना नगर पालिका परिषद आजव के कर्मचारियों द्वारा डाला जाता है जहां से गिले कूड़े से रोजाना जहरीली गैस जैसे मीथेन (CH₄) , अमोनिया (NH₃) जैसी जहरीली गैस निकलती है साथ ही गीला कूड़ा जब स्कूलों के पास सरकारी दफ्तरों के पास और खाने पीने की दुकान के आस पास डलवाया जाता है तब यह सभी आम जनमानस को नुकसान पहुंचाने का कार्य करता है यह ओपन माना नहीं बल्कि समस्त ऐसे लोगों की मांग है जो कर्मचारियों के दबाव और दबाई के आगे बोल पाने में असमर्थ है , जहां कूड़ा डाला जाता है वहां एक साठ वर्षीय बुजुर्ग से जब पूछा गया तो उन्होंने अपने विडीयो बाईट में नगर पालिका परिषद आजव के कर्मचारियों द्वारा दबाव बनाने और दबाई करने का आरोप भी लगाया।

उन्होंने कहा कि जब हम कूड़ा अलग दूर कहीं डालने का आग्रह करते हैं तब हमको तेज आवाज में बोल कर दबा दिया जाता है और शिकायत नगर पालिका में दर्ज करवाने के लिए कहा जाता है। कर्मचारियों के ऐसे कृत्य से अन्य जिम्मेदारों का नाम खराब होता है। उन्हें अन्तः कृत्य अधिकारियों का और जिम्मेदारों को ऐसे लोगों पर कार्यवाही करके उन्हें बच्चों बुजुर्गों और शहर के अन्य नागरिकों से सम्पर्क से बात करने और कार्यों को ध्यान से करने का निर्देश देना चाहिए। निदेशन का पालन ना होने पर कार्यवाही कर कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से हटा देना चाहिए। इस कृत्य की शिकायत जल्द ही ज्ञात जिला अधिकारी वह नगर पालिका परिषद वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक की जाएगी। उम्मीद है ऐसे कृत्यों और आम जनमानस की सुरक्षा हेतु इस शिकायत को गंभीरता से समझा और सुना जाएगा साथ ही इसको विरोधाभास की नजर से ना देखकर जिनहति की समस्या की नजर से देखकर अतिशीघ्र कार्य पूर्ण करवाया जायेगा।

साँझामऊ, उसरहा बेहटा, गुलरिहा में आयोजित जल विहार उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में पहुँचे राष्ट्रसेवक



संवाददाता
जवा। विधानसभा क्षेत्र भगवन्त नगर के सुमेरपुर विकास खण्ड के अंतर्गत
संज्ञामसंज्ञामऊ, उसरहा बेहटा, गुलरिहा में आयोजित जल विहार उत्सव में
मुख्य अतिथि के रूप में पहुँचे राष्ट्रसेवक
ऊ, उसरहा बेहटा, गुलरिहा ग्राम पंचायतों में आयोजित भव्य जल विहार
उत्सव व आल्हा गायन कार्यक्रम* में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रसेवक
पुणेन्द्र प्रताप सिंह पहुँचे, जिनके पहुँचने से कार्यक्रम की शोभा बढ़
गई, कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय, अन्तर्जमानस एवं आयोजक मंडल द्वारा
राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त राष्ट्रसेवक पुणेन्द्र प्रताप सिंह का फूल-माला,
गणवज्र और प्रतीक चिन्ह भेंट कर भव्य स्वागत व सम्मान किया गया, मुख्य
अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए राष्ट्रसेवक पुणेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा
कि ऐसे धार्मिक और संस्कृतिक आरोधन समाज को एकता के सूत्र में पिरोने
का कार्य करते हैं। उन्होंने समाज में फैले जातिवाद के जहर को खत्म कर
मानवतावादी सोच को आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया और सभी के त्रेम,
भाई-काका और एकजुटता बनाए रखने का आह्वान किया, उपरोक्त तीनों
कार्यक्रमों में बहनों ने भी बृहद् चढ़कर भाग लिया, कार्यक्रम शानदार आल्हा
गायन के लिए *कु. नैना गौतम जी* द्वारा प्रस्तुत आल्हा की सराहना करते
हुए उन्हें नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही राष्ट्रसेवक पुणेन्द्र
प्रताप सिंह तीनों स्थानों की आयोजन समितियों को कार्यक्रम के सफल
आयोजन हेतु आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया गया इस दौरान मुख्य रूप से
विक्रम सिंह, बबलू सिंह, हीरालाल सिंह गठौर, इकबाल सिंह धधान, मानवेन्द्र
सिंह, प्रखर सिंह, जगप्रकाश यादव, गौरीशंकर सिंह, लखन कुशवाहा, करुणा
जायसवाल, रमेश लोधी, रामजी यादव, चांदनी देवी, शिखा, कृष्णा आदि
मौजूद रहे।

**बाढ़ प्रभावित किसानों को मिलेगा मुआवजा,
राजस्व कर्मियों से संपर्क कर जमा करें अभिलेख**

संवाददाता परियर (उन्नाव)। सदर तहसील क्षेत्र के मरौदा मझवारा, मरौदा सूचित, पम्पस्था एवं कररी मरौदा मझवारा क्षेत्र के किसानों को बाढ़ से फसल नुकसान के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना दी गई है। लेखपाल के अनुसार बाढ़ राहत/मुआवजे के लिए उन्नीं खेतों के अभिलेख लिए जाएंगे, जिसकी फसल वास्तव में बाढ़ के पानी से प्रभावित हुई है। मरौदा सूचित से मरौदा मझवारा, देवीपुरवा तक नदी की ओर स्थित बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के किसानों के कागजात ही निर्धारित प्रक्रिया के तहत लिए जाने की बात बताई गई है। किसानों से अपील है कि किसी के बहकावे में आकर अनावश्यक रूप से अपने अभिलेख जमा न करें।

सेवायोजन विभाग द्वारा कैरियर काउंसलिंग का किया गया आयोजन



संवाददाता
 उन्नाव। संसम शिशु मडिर इंटर कॉलेज
 ए.बी.नगर उन्नाव में सेवायोजन विभाग
 के द्वारा आयोजित करियर काउंसलिंग
 कार्यक्रम जिला सेवायोजन कार्यालय
 उन्नाव द्वारा प्रतिभाग किया गया।
 कार्यक्रम का आयोजन जिला
 सेवायोजन अधिकारी उन्नाव प्रीति चंद्रा
 के मार्गदर्शन से किया गया, जिसमें
 167 छात्र व छात्रों ने प्रतिभाग किया,
 इसमें सहायक सेवायोजन अधिकारी
 आस्था सिन्हा, विषय विशेषज्ञ

मुख्यमंत्री अश्वदया योजना अनुपम सिंह शामिल हुए आस्था सिन्हा ने बताया है कि सही समय पर अमनोदय करके कारियर का चुनाव करके उसको सही दिशा में देने के लिए आप लोग अवसरों अभिभावकों की क्षमता के अनुसारआस्था सिंह कैरियर को चुनना चाहिए सफलता के लिए संसाधन नहीं बल्कि योग्यता होनीनी आवश्यक है प्रदेश में बेरोजगार लोगों की संख्या बहुत अधिक है ऐसे लोगों को समय पर सही चुनाव करके इस्मते बेरोजगारी से दूर हो सकते हैं सखिललाल

सेवा की तैयारी के लिए परीक्षा की विस्तृत जानकारी दी गई परीक्षाओं के विभिन्न चरणों कैसे सफलता मिल जाए इस विषय में समझाया, कोई स्टूडेंट्स सेवायोजन कार्यालय से अस्थिरियों को उनको शैक्षिक योग्यतानुसार इच्छुक अस्थिरियों अपना से हारट ड्रुव थंडर ड्रुव हथ ड्रुव ड्रुव पंजीकरण कर भविष्य में अपने वाली नौकरियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, परीक्षा में कौनों के जिले स्तर पर जो कोचिंग दी जा रही जो भी

जनपद के चिन्हित ब्लैक स्पॉट एवं दुर्घटना संभावित स्थलों पर आवश्यक सुधारात्मक कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराए जाए - जिलाधिकारी



संवाददाता
उजाव । जिलाधिकारी घनश्याम
मीना की अध्यक्षता में जनपद में
सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं
यातायात व्यवस्था को अधिक
सुरक्षित और सुगम बनाने के उद्देश्य
से कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क
सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित
की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने

सड़क सुरक्षा से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता पी डब्ल्यू डी को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद के चिह्नित ब्लैक स्पॉट एवं दुर्घटना संभावित स्थलों पर आवश्यक सुधारामक कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराए जाएं। कहा सड़कों पर संकेतक,

स्प्रेक्टर, रोड मार्किंग एवं स्पीड
ब्रेकर आदि की व्यवस्था सुनिश्चित
कर कर जाए तथा अवैध कृति एवं
अतिक्रमण के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई
की जाए। जिलाधिकारी ने अधिशास-
क अधिकारी नगर पालिका उवाच व
संग घाट को पुलिस विभाग के
समन्वय के साथ शहर में हो रहे
अतिक्रमण पर अभियान चलाकर
कार्रवाई की जाने के निर्देश दिए।
इसी प्रकार उन्होंने संभागीय परिवहन
अधिकारी परिवहन एवं पुलिस
विभाग को ओवरलोडिंग,
ओवरस्पीडिंग, बिना हेलमेट एवं
बिना सीट बेल्ट वाहन चलाने वालों
के विरुद्ध निमित्त प्रवर्तन अभियान
चलाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी
ने स्कूली वाहनों की फिटनेस पर
आवश्यक अभिलेखों की भी
निमित्त जांच सुनिश्चित करने को
कहा। जिलाधिकारी ने मजदूर
सड़क सुरक्षा के प्रति आमजन में
जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक

अभियान चलाया जाए। दुर्घटना की स्थिति में घायलों को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु संबंधित विभाग आयसी समन्वय से प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि ब्लैक स्पॉट खतम किया जाए आवश्यक जगह पर सीडी ब्रेकर अवश्य लगाए जाएं। स्कूल के आसपास दोनों और चिन्हानकन कर सीडी ब्रेकर अवश्य लगाया जाए।

अधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जो पशु मार्गों पर घूम रहे हैं। अभियान चलाकर उन्हें संबंधित गौशाला में संरक्षित करें।

बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, संभागीय परिवहन अधिकारी श्री संजीव कुमार सहित पुलिस, विभाग, एनएचआई, नगर निकाय एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विद्युत सम्बन्धी शिकायतों एवं समस्याओं के समयबद्ध एवं गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण को लेकर जिलाधिकारी ने की समीक्षा बैठक

समस्यादाता ऊनाव । जिलाधिकारी घणश्याम मीना की अध्यक्षता में कलेक्टरट्टे सभागार में जनपद में हो रही अधोपत वलुतु कटीती एवं वलुतु आतुती वलुतुवसा के संबंध में वलुतु वलुभाग व अन्य संबंधत अधलकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजत हुंदु। बैठक में जललाधलकारी ने जनपद में वलुतु आतुती की स्थलत, बार-बार हो रही दुरलत, लोकेल फॉल्ट, खराब दुरंसमारियों तथा उपभोकाओं से प्रास शलकायों की वलुतु समीक्षा की। वलुतु समन्वसी समस्याओं में लालपरवाही के चलते जललाधलकारी ने वलुतु वलुभाग के अधलकारियों पर नाराजगी वलुत कर कडीं कार्यवाही कलये जाने के नलंदेश दलए जललाधलकारी ने नलंदेशत करते हुए कहा क अधोपत वलुतु कटीती पर प्रभावी ढंग से अकुश लगाया जाए तथा उपभोकाओं को नलधारत रेगुलर के अनुसार नलबांध वलुतु आतुती सुनलधत की जाए। जललाधलकारी ने कहा कल वलुतु आतुती में वलुतुवधान होने पर संबंधत अधलकारी तलकाल मौके पर पलहुंकर समस्या का समाधान सुनलधत करें। खराब दुरंसमारों एवं जरूर वलुतु लालनों को प्राथमलकता के आधर पर दुरस्त कराया जाए। बार-बार फॉल्ट वलुतु क्षेत्रों को कलनलत कर समस्या का स्थायी समाधान कराया जाए। उहोंने नलंदेश दलए क लद कसी क्षेत्र में आवश्यक अनुरकुषण कार्य के कारण वलुतु आतुती बांधत के साथ ही शलकायों की पुरावतुती हो रहे, इस के ललए प्रभावी कार्यवाही की जाए। जललाधलकारी ने वलुतु वलुभाग के अधलकारियों को नलंदेशत कलत कल गमी एवं आगामी पर्वों को देखते हुए वलुतु आतुती वलुतुवसा को और अधलक सुदुढ़ रखा जाए तथा कलसी भी स्तर पर लालपरवाही पाए जाने पर संबंधत की जवाबदेही नलधारत की जाएगी। जललाधलकारी ने वलुतु संबंधी समस्याओं को एक सताह के अंदर नलस्तारण कराए जाने के नलंदेश दलया कहा कल जो भी पतत क्षेत्र ग्रस्त हैं तार टूटे हुए हैं जरूर हैं अभयान चलोकर उनको ठीक कलया जाए जललाधलकारी ने कहा कललली वलुभाग दुरा अनावस्यक छपेमारी न कलया जाए ब्लैक स्टार और तलसील स्तर के अधलकारियों से समन्वय स्थापत कर वलुतु वलुभाग की जो भी समस्याएं हैं उनका प्राथमलकता के साथ नलस्तारण कराया जाए दसमें कलसी भी प्रकार के लालपरवाही न कलया जाए । बैठक में अधीक्षक अभयंतता, अधलशासी वलुतुवसा सहलत वलुतु वलुभाग के संबंध अधलकारी व अन्य उपस्थलत रहे।

उन्नाव नगर पालिका के दावे पर उठे सवाल, हटाए गए कियोस्क पोल फिर उसी जगह नजर आए

समावेदता आब। नगर पालिका का आर स अस्पताल राई पर लग छोट किरायेक पाल का थोपुपल बतात हूँ हटान का कारवाइ का दावा किया गया था। लेकिन अब मौके का तर्जुमं नगर पालिका के दावे पर सवाल खड़े कर रही है। बताया जा रहा है कि जिन किरायेक पाल को हटाने को बात कही गई थी, वे फिर उसी स्थान पर तबों दिखावे दे रहे हैं। हाँ, इन पाल पर लगी 'नगर पालिका आब' की तछी जरूर हटा दी गई। ऐसे में सवाल है कि क्या सिर्फ तछी हटाना ही नगर पालिका की कारवाइ है? अगर तछी हटाने को ही कारवाइ माना जा रहा है, तो नगर पालिका का यह सराहनीय कार्य है।

सक्षिप्त खबरें...

**जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 28
सितंबर को जिला सैनिक कल्याण
बन्धु की होगी बैठक**

संवाददाता
उत्तावा। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने
जनपद-उत्ताव के सम्पत्त सेवारत सैनिकों / पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों को सुस्थित किया है कि जिलाधिकारी, उत्ताव की अध्यक्षता में जिला सैनिक बन्धु की बैठक दिनांक 28 सितंबर 2026 को अपराह्न 1:00 बजे कलेक्ट्रेट उत्ताव के पञ्चालाल सभागार में आयोजित की जायेगी।
जनपद के सम्पत्त सेवारत पूर्व सैनिक एवं उनके आश्रित अपनी भूमि विवाद पुलित सुरक्षा व अन्य प्रकार की समस्याओं से सम्बन्धित प्रार्थना-पत्र बैठक में प्राप्त करा दें।

सरकारी जमीन पर पेड़ों की अवैध कटान के खिलाफ अध्यापक ने उठाई आवाज़



संवाददाता

उज्ज्वल। सदर क्षेत्र के मगरवारा चौकी क्षेत्र में ईंट भट्टे की अधिकता के चलते यहां जलाने वाली लकड़ी की मांग ज्यादा है। जिसके चलते अवैध रूप से जंगलों को काटा जा रहा है। वन विभाग मौन बना हुआ है। और न ही स्थानीय चौकी पुलिस की अवैध कटान पर नजर पड़ रही है।

करोबन के रहते वाले अध्यापक सेराज अली ने सोमवार को देर तक आरा मशीन की अक्काव सुनौ तो देखा कि कब्रिस्तान के पास सरकारी जमीन पर शोषण अली द्वारा हरे पेड़ों पर कटान की जारी है। जिसका उन्होंने विरोध कर मगरवारा चौकी पुलिस से शिकायत दर्ज कराई। लेकिन कोई कार्रवाई न होते देख अब वह वन विभाग व जिला अधिकारी से जंगलों को बचाने के लिए प्रार्थना करेगा। सेराज अली अवैध पेड़ों की कटान को रोकने की मुहिम छेड़ रखी है। उनका कहना पूरे जनपद में नहीं तो कम से कम अपने क्षेत्र में अवैध कटान नहीं होने देंगे।

ડોલ ગ્યારસ પર નિકલી મલ્લ વિમાન યાત્રા જલ વિહાર કરાણે ગણ શ્રીજી

महर्षीजी ललितपुर डोल ग्यारस जल विहार का पावन पर्व मंगलवार को नगर में श्रद्धा भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर के विभिन्न देवालयों से भगवान श्रीजी भव्य विमान यात्राएं निकाली गईं। अलग-अलग मार्गों से भ्रमण करते हुए सभी विमान गांधी चौक पहुंचे, जहां से सामूहिक रूप से विशाल विमान यात्रा प्रारंभ हुई। नगर के मुख्य बाजार से होते हुए विमान श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर, श्री गणेश मंदिर एवं श्री किले के पुण्यवर्षा मंदिर परिसर पहुंचे नगर भ्रमण के दौरान श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुण्यवर्षा कर विमान में विराजमान श्रीजी का स्वागत किया। सनातनी परिवारों ने अपने-अपने द्वार पर भगवान की आरती उतारकर सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की मंगलकामना की। भजन मंडलियों ने साज-बाज के साथ भक्ति गीत प्रस्तुत किए, जिससे पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में सारबोर रहा। हरि वीर की भांति इस वर्ष भी टीकमगढ़ रोड स्थित श्री राम ज्ञानकी मंदिर कारागृहपुरा स्थित श्री दीवान मंदिर, बड़ी देवीजी मंदिर के समीप श्री सोनी मंदिर, रामलीला मैदान स्थित श्री राम-जानकी मंदिर, थाना परिसर स्थित श्री किले के हनुमान मंदिर तथा श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर से श्रीजी के विमान निकाले गए। विभिन्न मार्गों से होते हुए ये विमान गांधी चौक पर एकत्रित हुए और इसके बाद सामूहिक विमान यात्रा निकाली गई किले के हनुमान मंदिर परिसर में हुआ जल विहार विमान यात्रा के थाना परिसर स्थित श्री किले के हनुमान मंदिर प्रांगण पहुंचने पर सभी विमानों में विराजमान श्रीजी को विधि विधानपूर्वक जल विहार कराया गया। इसके बाद भजन-कीर्तन के बीच भव्य सामूहिक आरती हुई। आरती के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया और विमान अपने-अपने देवालयों के लिए रवाना हुए विमान यात्रा में राज्य मंत्री मनोहर लाल पंथ, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि दुष्यंत बड़ोनिया सहित नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे आयोजन के दौरान धार्मिक आस्था

महिला जन संवाद में उमड़ा महिलाओं का सैलाब, सामाजिक न्याय और महिला अधिकारों पर हुई जोरदार चर्चा



संवाददाता
बहराइच ब्यूरो 22 सितंबर। समाजवादी पार्टी महिला सभा की ओर से गोंड रोड स्थित विनायक रिसॉर्ट में आयोजित महिला जन संवाद कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान महिला सम्मान, सुरक्षा, शिक्षा, रोजगार, आर्थिक आत्मनिर्भरता, सामाजिक न्याय और

सभा की राष्ट्रीय सचिव श्रीमती प्रीती मिश्रा पत्नी इं. जय प्रकाश मिश्र ‘जे.पी.’ द्वारा किया गया, जबकि अध्यक्षता सपा जिलाध्यक्ष एडवोकेट राम हर्ष यादव ने की। विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री बंशी धर बौद्ध एवं पूर्व विधायक शब्बीर वाल्मिकी रहे। मुख्य वक्ताओं में पूर्व विधायक के.के. ओझा, महिला सभा की जिलाध्यक्ष मनु देवी तथा पूर्व राष्ट्रीय सचिव शाहिस्ता परवीन शामिल रही। मंच संचालन युवजन सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेश मौर्य शैलू ने किया। मुख्य अतिथि सीमा राजभर ने कहा कि महिलाओं की बड़ी भागीदारी यह दर्शाती है कि महिलाएं अपने अधिकारों, सम्मान और भविष्य को लेकर जागरूक हैं। उन्होंने महिलाओं से सामाजिक एवं लोकतांत्रिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने तथा महिला

संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का आह्वान किया। सपा नेता इं. जय प्रकाश मिश्र ‘जे.पी.’ ने कहा कि महिला जन संवाद का उद्देश्य महिलाओं की समस्याओं और विचारों को सुनना तथा उन्हें व्यापक सामाजिक एवं लोकतांत्रिक विमर्श तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और सामाजिक न्याय से जुड़े सवालों को आगे बढ़ाने के लिए संवाद का सिलसिला जारी रहेगा। अध्यक्षीय संबोधन में एडवोकेट राम हर्ष यादव ने महिलाओं की बड़ी उपस्थिति को संगठन के लिए महत्वपूर्ण बताया और कहा कि महिलाओं को संगठन एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अधिक अवसर मिलना चाहिए। इस दौरान वक्ताओं ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए

संवाददाता
बहराइच ब्यूरो 22 सितंबर। गणेश पूजा एवं आगामी गणेश प्रतिमा विसर्जन को शांतिपूर्ण, सकुशल एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी बहराइच राजेश कुमार पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने सोमवार को नगर क्षेत्र में पैदल गश्त कर सुरक्षा एवं शांति-व्यवस्था का जायजा लिया। दोनों अधिकारियों ने नगर के प्रमुख मार्गों, गणेश प्रतिमा स्थापना स्थलों तथा विसर्जन से जुड़े संभावित मार्गों का भ्रमण कर मौके पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।



इस दौरान अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की सुविधा, भीड़ की स्थिति, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध तथा आवागमन को लेकर संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि गणेश पूजा एवं प्रतिमा विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न होने पाए और प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे। प्रतिमा स्थापना एवं विसर्जन स्थलों के आसपास पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती के साथ ही भीड़ नियंत्रण, बैरिकेडिंग तथा सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को पूरी सतर्कता एवं सजगता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि त्योहार के दौरान शांति, सुरक्षा एवं आपसी सौहार्द बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने तथा किसी भी प्रकार की अफवाह अथवा असामाजिक गतिविधि की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। पैदल गश्त के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष विक्रम सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर नारायण दत्त मिश्रा सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं पर्याप्त पुलिस बल मौजूद रहा।

चोरी के सामान सहित दो अभियुक्त गिरफ्तार



संवाददाता
बहराइच ब्यूरो 22 सितंबर। दरगाह शरीफ थाना पुलिस ने चोरी के सामान सहित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से सोने-चांदी के आभूषण, एलसीडी टीवी व गैस सिलेंडर बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष विक्रम सिंह एवं क्षेत्राधिकारी नगर नारायण दत्त मिश्र के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष अमितेन्द्र सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम को यह सफलता मिली। पुलिस के अनुसार थाना स्थानीय पर दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 385/2026 धारा 305(ए), 331(4), 317(2), 317(4) बीएनएस तथा मुकदमा अपराध संख्या 293/2026 धारा 305(ए), 331(4), 317(2), 317(5) बीएनएस के अनावरण के लिए गठित टीम ने 22 सितंबर 2026 को आसाम चौराहे के पास से दो अभियुक्तों फरमान उर्फ कालिया पुत्र सवन निवासी चाईटोला पलरीबाग थाना दरगाह शरीफ, उम्र 24 वर्ष तथा अकील पुत्र सगीर निवासी बक्शीपुरा बुगन मस्जिद के पास थाना दरगाह शरीफ, उम्र 22 वर्ष को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से एक अदद नाक का कील पीली धातु, एक जोड़ी कान का टप्प पीली धातु, एक जोड़ी पायल सफेद धातु, एक अदद एलसीडी टीवी तथा एक अदद गैस सिलेंडर बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों को न्यायालय बहराइच के समक्ष पेश कर अग्रिम विधिक कार्रवाई के लिए भेज दिया। गिरफ्तार अभियुक्त फरमान उर्फ कालिया के विरुद्ध थाना दरगाह शरीफ में पूर्व से मुकदमा अपराध संख्या 94/2024 धारा 380/411/457 भादवि तथा मुकदमा अपराध संख्या 248/2024 धारा 380/457 भादवि भी दर्ज है।

48 कैन अवैध बीयर के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

संवाददाता
मिर्हीपुरवा बहराइच ब्यूरो 22 सितंबर। अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने तथा अवैध शराब की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत मुर्तिहा पुलिस ने 48 कैन अवैध बीयर के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी एवं क्षेत्राधिकारी मिर्हीपुरवा पट्टप सिंह के पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष मुर्तिहा यतीन्द्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त एवं सदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान 21 सितंबर 2026 की रात करीब 10ः47 बजे थाना कोतवाली मुर्तिहा क्षेत्र में 24 नंबर पुल से पहले पृच्छीपुरवा जाने वाले मार्ग पर पुलिस ने एक सदिग्ध व्यक्ति को रोककर पूछताछ और तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 48 कैन अवैध बीयर बरामद हुई। पूछताछ में अभियुक्त ने अपना नाम संतोष पुत्र रामलाल पोखवाल, निवासी ग्राम पृच्छीपुरवा, दोगा हरखापुर, थाना कोतवाली मुर्तिहा, जनपद बहराइच, उम्र करीब 38 वर्ष बताया। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर थाना मुर्तिहा में मु0अ0सं0 146/2026 के तहत धारा 60 आबकारी अधिनियम में मुकदमा दर्ज कर अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की। गिरफ्तारी एवं बरामदगी करने वाली पुलिस टीम में वरिष्ठ उपनिरीक्षक गगन दीक्षित, हेड कांस्टेबल श्रीप्रकाश सिंह तथा कांस्टेबल रितेश यादव शामिल रहे।

नाजायज चाकू के साथ 40 वर्षीय अभियुक्त गिरफ्तार

संवाददाता
बहराइच ब्यूरो 22 सितंबर। अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली नगर पुलिस ने एक अभियुक्त को नाजायज चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष विक्रम सिंह और क्षेत्राधिकारी नगर नारायण दत्त मिश्रा के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर बुजेंद्र कुमार मिश्र के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में भ्रमण कर रही थी। इसी दौरान 22 सितंबर को उपनिरीक्षक रवि कुमार यादव हमराह हेड कांस्टेबल अनिल यादव तथा कांस्टेबल रवि प्रकाश विश्वकर्मा के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। करीब 12ः50 बजे अटकनवा

मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरूक



संवाददाता
बहराइच ब्यूरो 22 सितंबर। ‘मिशन शक्ति 5.0’ अभियान के द्वितीय चरण के तहत पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में पुलिस विभाग द्वारा संचालित विभिन्न शक्ति टीमों द्वारा विभिन्न स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाया गया। मिशन शक्ति टीमों में शामिल महिला पुलिस कर्मियों ने प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य

योजना, उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, पीएम स्वनिधि योजना, पीएम सम्मान निधि योजना, वन स्टॉप सेंटर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आवासन सुमन योजना, महिला शक्ति केंद्र योजना तथा मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना सहित महिलाओं एवं बालिकाओं के हित में संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। मिशन शक्ति टीमों ने महिलाओं को किसी भी प्रकार की समस्या अथवा उत्पीड़न की स्थिति में तत्काल सहायता प्राप्त करने के लिए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में भी बताया। महिला पुलिस कर्मियों ने वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस अपातकालीन सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन 102, एंबुलेंस

सक्षिप्त खबरें...

जनता दर्शन में एसपी ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं, अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण के निर्देश



संवाददाता
बहराइच ब्यूरो 22 सितंबर। पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव ने मंगलवार को पुलिस कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याएं एवं शिकायतें गंभीरता से सुनीं। जनसुनवाई के दौरान फरियादियों ने पुलिस से संबंधित विभिन्न मामलों को लेकर अपनी शिकायतें एवं प्रार्थना पत्र पुलिस अधीक्षक के समक्ष प्रस्तुत किए। एसपी ने प्रत्येक फरियादी की बात को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से मामले की जानकारी ली तथा शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित थाना प्रभारियों एवं अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता से प्राप्त शिकायतों की निष्पक्षा एवं गंभीरता के साथ जांच कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और फरियादियों को अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनसमस्याओं का समयबद्ध निस्तारण पुलिस की प्राथमिकताओं में शामिल है तथा शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनसुनवाई के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष विक्रम सिंह एवं अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी भी मौजूद रहे।

नई तहसील मिर्हीपुरवा में अधिवक्ताओं के लिए संघ भवन व लाइब्रेरी की मांग



संवाददाता
बहराइच ब्यूरो 22 सितंबर। तहसील मिर्हीपुरवा में अधिवक्ताओं की बैठक के लिए मीटिंग हॉल, संघ की अलमारी, कुर्सियां व अन्य सामान रखने के लिए भवन तथा अध्ययन के लिए लाइब्रेरी की सुविधा उपलब्ध न होने को लेकर आदर्श बार एसोसिएशन मिर्हीपुरवा ने जिलाधिकारी से भूमि उपलब्ध कराने की मांग की है। आदर्श बार एसोसिएशन के कार्यवाहक अध्यक्ष ओमप्रकाश यादव एडवोकेट एवं महासचिव शम्भूनाथ राजपूत एडवोकेट ने बताया कि इस संबंध में जिलाधिकारी को पत्रांक 23/2025 के माध्यम से 6 दिसंबर 2025 को तथा 24 जून, 22 अगस्त और 5 सितंबर 2026 को अनुरोध पत्र प्रस्तुत किए जा चुके हैं, लेकिन करीब आठ माह बीत जाने के बाद भी संघ भवन के लिए भूमि उपलब्ध नहीं कराई गई है। अधिवक्ताओं का आरोप है कि तहसील प्रशासन द्वारा मामले में एक-दूसरे पर टालमटोल करते हुए समय व्यतीत किया जा रहा है, जिससे वादकारियों और अधिवक्ताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बार एसोसिएशन पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि नई तहसील मिर्हीपुरवा में अधिवक्ताओं की बैठक के लिए मीटिंग हॉल, संघ की अलमारी आदि रखने तथा अध्ययन के लिए लाइब्रेरी की स्थापना हेतु 100म50 फुट भूमि उपलब्ध करारक संघ भवन का निर्माण पदाधिकारियों ने कहा कि भूमि उपलब्ध होने पर अधिवक्ताओं को आवश्यक सुविधाएं मिल सकेंगी और न्यायिक कार्य में भी सहूलियत होगी।

हिंदी विधि सप्ताह के समापन पर मेधावी प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

संवाददाता
बहराइच ब्यूरो 22 सितंबर। स्थानीय दीवानो न्यायालय परिसर में हिंदी विधि प्रतिष्ठान उत्तर प्रदेश जनपद बहराइच की ओर से हिंदी

प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

संचालन अनूप श्रीवास्तव ने किया। हिंदी विधि सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को भी पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। विधि शब्दावली प्रतियोगिता में न्यायिक अधिकारियों की श्रेणी में श्रीमती अर्जिता वर्मा मजिस्ट्रेट को प्रथम, सुश्री शतल सिंह मजिस्ट्रेट को द्वितीय तथा श्रीमती संगीता गौड़ को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। अधिवक्ताओं की विधि शब्दावली प्रतियोगिता में अनुज पटेल ने प्रथम, अभिव्यंजना श्रीवास्तव एवं अनूप ने द्वितीय तथा अपतार अहमद ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। श्रुतलेख प्रतियोगिता में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों में अक्षत मिश्रा लिपिक को प्रथम, मंसूर आलम खान वरिष्ठ लिपिक को द्वितीय तथा गरिमा दुबे वरिष्ठ लिपिक को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में कर्मचारियों एवं अधिवक्ताओं की संयुक्त भागीदारी रही, जिसमें मंसूर आलम खान एवं हर्षितांशु सिंह को प्रथम, अभिलाषा पटेल एवं अक्षत मिश्रा को द्वितीय तथा राखी ओमर, ध्रुव मिश्रा, तिलकराम, विनय शुक्ला, रितेश गुप्ता एवं सूर्य प्रकाश मिश्रा को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। इस अवसर पर हिंदी विधि प्रतिष्ठान की ओर से जनपद न्यायाधीश, अपर जनपद न्यायाधीश पवन शर्मा, राकेश कुमार सिंह, अरविंद गौतम, बुजेश यादव, सचिव जलाल अकबर, पूर्व बार अध्यक्ष



हिंदी विधि सप्ताह के सातवें एवं अंतिम दिन पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश श्री राजेश कुमार सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। सरस्वती विद्या मंदिर के छात्र-छात्राओं ने आचार्य राजेंद्र मिश्रा एवं आचार्या लक्ष्मी पाण्डेय के नेतृत्व में सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत कर समारोह का शुभारंभ किया। वहीं मूक-बधिर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने शिव स्तुति एवं प्रतीकात्मक गीत प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए जनपद न्यायाधीश श्री राजेश कुमार सिंह

हैं और हिंदी हमारी मातृभाषा है, इसलिए इसके संरक्षण, संवर्धन एवं विधि के क्षेत्र में इसके अधिकाधिक प्रयोग के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। समारोह में आदर्श अधिवक्ता के रूप में कर्मवीर सिंह को मोहम्मद इफ्तिखार आजम स्मृति सम्मान प्रदान किया गया, जबकि जिले के साहित्य जगत में हिंदी की सेवा के लिए श्री राधाकृष्ण शुक्ल ‘पंथक’ को साहित्यश्री सम्मान से सम्मानित किया गया। अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष कृष्ण मोहन श्रीवास्तव, रामजी बाजपेई एवं पूर्व विधायक रामसागर राव ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं को उपहार भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का

परिवार परामर्श केन्द्र ने दो परिवारों में कराया समझौता, टूटने से बचाए रिश्ते

संवाददाता बहराइच ब्यूरो 22 सितंबर। पुलिस अधीक्षक बहराइच श्री विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में सामाजिक रिश्तों को मजबूत बनाए रखने एवं पारिवारिक विवादों का आपसी सहमति से समाधान कराने के उद्देश्य से पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में पारिवारिक विवाद से संबंधित प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर कार्रवाई करते हुए परामर्श केन्द्र की टीम ने दोनों पक्षों को बुलाकर उनकी समस्याओं को विस्तारपूर्वक सुना



और आपसी बातचीत के माध्यम से विवाद का समाधान कराया। परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को समझने के बाद द्वितीय पक्ष से संपर्क कर उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केन्द्र पर बुलाया गया। यहां दोनों पक्षों की बात सुनने के साथ ही उन्हें पारिवारिक जीवन में आपसी सामंजस्य, सहयोग और जिम्मेदारियों के महत्व के बारे में समझाया गया। परामर्श एवं समझाइश के बाद दोनों पक्षों ने आपसी मतभेद समाप्त करते हुए भविष्य में एक-दूसरे से लड़ाई-झगड़ा न करने तथा पारिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने पर सहमति



गोल्डन और व्हाइट फोटोशूट में अमीई मिसोबाह का शानदार अंदाज़

अभिनेत्री अमीई मिसोबाह एक बार फिर अपने लेटेस्ट फैशन फोटोशूट को लेकर चर्चा में हैं। गोल्डन और व्हाइट रंग के बेहद खूबसूरत परिधान में नज़र आई अमीई ने अपनी खूबसूरती, आत्मविश्वास और शालीनता से सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया है। इस फोटोशूट ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह तेजी से उभरती हुई फैशन आइकन हैं। तस्वीरों में अमीई विभिन्न आकर्षक पोज़ देती हुई दिखाई दे रही हैं, जहां उनका ग्लैमर और एलिगेंस का अनोखा संगम देखने को मिलता है। गोल्डन रंग की चमक उनके लुक में लगजरी का एहसास जोड़ती है, वहीं व्हाइट आउटफिट उनकी सादगी और आकर्षण को और निखारता है। दोनों रंगों का यह मेल उनकी प्राकृतिक सुंदरता को बेहतरीन ढंग से उभारता है। उनका बेदाग मेकअप, मनमोहक एक्सप्रेसन्स और आत्मविश्वास से भरपूर व्यक्तित्व पूरे फोटोशूट को एक हाई-फैशन मैगज़ीन के कवर जैसा शानदार बना देता है। सोशल मीडिया पर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं और उनके फैशन सेंस व स्टाइलिश अंदाज़ की जमकर सराहना कर रहे हैं। चाहे आउटफिट की बारीकियां हों या उसे आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत करने का अंदाज़, अमीई यह साबित करती हैं कि असली स्टाइल आत्मविश्वास और मौलिकता में बसता है। यह फोटोशूट न केवल उनके फैशन-फॉरवर्ड व्यक्तित्व को दर्शाता है, बल्कि हर माहौल में चमकने की उनकी क्षमता को भी उजागर करता है। फैशन और आत्म-अभिव्यक्ति के बारे में बात करते हुए अमीई ने कहा-

«फैशन सिर्फ कपड़ों तक सीमित नहीं है, यह आपकी पहचान का प्रतिबिंब है। जब आप अपने पहनावे में आत्मविश्वास महसूस करते हैं, तो आपकी आंतरिक सुंदरता अपने आप निखरकर सामने आती है।»

इस मनमोहक गोल्डन और व्हाइट फोटोशूट के साथ अमीई मिसोबाह ने एक बार फिर अपनी खूबसूरती, आकर्षण और स्टार पावर से दर्शकों का दिल जीत लिया है। फैंस इन शानदार तस्वीरों की जमकर सराहना कर रहे हैं और यह साफ है कि अमीई का फैशन सफर लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

कुदरत के डॉक्टरों का संभावनाशील पेशा



कुदरत की सेहत सुधारने से जुड़े इको.रिस्टोरेशन के क्षेत्र में कैरियर बनाने के लिए पर्यावरण व प्रकृति के प्रति रुचि तो अहम है ही, 12वीं विज्ञान वर्ग से और फिर किसी भी विषय से स्नातक होना भी जरूरी है। दरअसल दुनिया में बड़े पैमाने पर इको.रिस्टोरेशन स्पेशलिस्ट की मांग पैदा हो गई है, ताकि क्षतिग्रस्त प्राकृतिक संसाधनों को फिर जीवंत किया जा सके। जलवायु परिवर्तन, बढ़ता प्रदूषण, सूखते जलस्रोत, घटते जंगल और तेज

शहरीकरण दुनिया के सामने बड़ी चुनौती है। विकास की अंधी दौड़ के चलते हमने अपनी नदियों, तालाबों, जंगलों और प्राकृतिक पारिस्थितिक तंत्र को बोमार कर दिया है। इसलिए अब कुदरत की सेहत सुधारने के लिए पूरी दुनिया में बड़े पैमाने पर इको.रिस्टोरेशन स्पेशलिस्ट की मांग पैदा हो गई है, जिससे कि क्षतिग्रस्त प्राकृतिक संसाधनों को फिर से जीवंत किया जा सके। जानिये इको.रिस्टोरेशन स्पेशलिस्ट होते कौन हैं और इस क्षेत्र में

कैरियर कैसे बनाया जा सकता है? पारिस्थितिकी को फिर से जीवंत बनाने वाले इको.रिस्टोरेशन स्पेशलिस्ट किसी क्षतिग्रस्त पारिस्थितिकी तंत्र जैसे जंगल, नदी, झील, तालाब, घास-भूमि, मैंग्रोव क्षेत्र या खनन से प्रभावित जमीन को पुनर्जीवित करके उसे उत्पादन के लायक बनाते हैं। ये सूखे तालाबों और झीलों को नया जीवनदान देते हैं। नदियों के किनारों को दोबारा बेहतर बनाते हैं। खनन से प्रभावित क्षेत्रों का स्वास्थ्य एवं

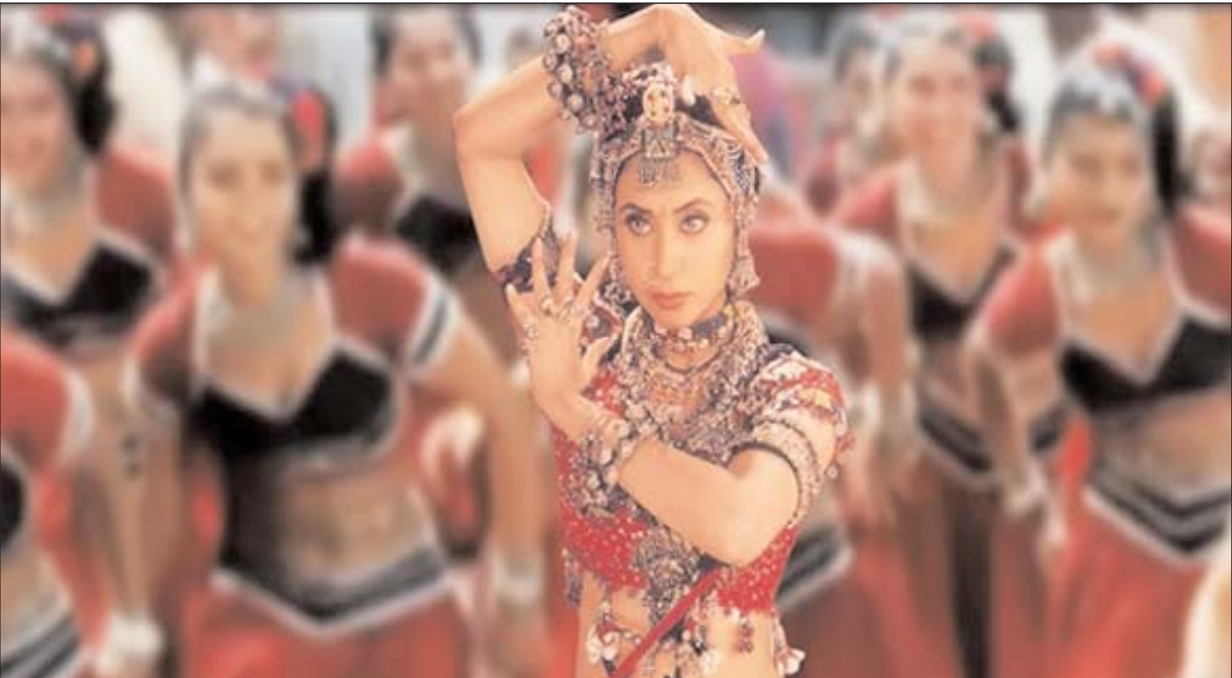
पर्यावरण के अनुकूल सुधार करते हैं। जैवविविधता पार्क विकसित करते हैं। मैंग्रोव और वेटलैंड संरक्षण करते हैं। देशी प्रजातियों के पौधों का पुनः रोपण करते हैं। वर्षा जल संचयन आधारित पारिस्थितिकी परियोजनाएं बनाते हैं। वन्यजीव आवासों का पुनर्निर्माण करते हैं। ये लोग विज्ञान, जैव विविधता, जल प्रबंधन और सामुदायिक विकास के जानकारी होते हैं। इस क्षेत्र में कैरियर बनाने के लिए पर्यावरण और प्रकृति के प्रति रुचि तो महत्वपूर्ण है ही, कम से कम 12वीं विज्ञान वर्ग से और फिर किसी भी विषय से स्नातक होना जरूरी है। इस क्षेत्र के लिए उपयुक्त स्नातक पाठ्यक्रम हैं- * बीएससी पर्यावरण विज्ञान, बीएससी वनस्पति विज्ञान, बीएससी प्राणी विज्ञान, बीएससी भूगोल, बीएससी कृषि, बीएससी फॉरेस्ट्री, बीटेक पर्यावरण इंजीनियरिंग और बीटेक सिविल इंजीनियरिंग। वहीं उच्च शिक्षा में मौजूद इस क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम हैं- एमएससी पर्यावरण विज्ञान, एमएससी इकोलॉजी, एमएससी फॉरेस्ट्री, मास्टर इन नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट, मास्टर इन एनवायरनमेंटल। मैनेजमेंट, एमटेक एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग।

जरूरी कौशल



खुशाली कुमार ने दुल्हनिया ले आएगी को बताया अपने करियर का खास किरदार, निर्देशक बोले- हटकर अंदाज में होगी दुल्हन

अभिनेत्री खुशाली कुमार अपनी आने वाली फिल्म %दुल्हनिया ले आएगी% को लेकर काफी चर्चा में है। फिल्म के फर्स्ट लुक से उन्होंने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इस कड़ी में उन्होंने आईएनएस से बात करते हुए अपने लुक और किरदार के बारे में विस्तार से बताया। आईएनएस संग बातचीत में खुशाली कुमार ने कहा, «जैसे ही मैंने इस फिल्म की कहानी सुनी, मुझे लगा कि यह किरदार मेरे लिए ही बना है। मेरा किरदार कोई साधारण दुल्हन नहीं है, बल्कि उसका व्यक्तित्व बहुत मजबूत है। वह अपने फैसले खुद लेती है, अपने दिल की बात खुलकर कहती है और किसी भी बात को छुपाकर नहीं रखती। यह किरदार बहादुर भी है, भावनात्मक भी है और अपने अंदाज में जीने वाली है, और यही बात मुझे इस फिल्म की तरफ खींच लाई।» उन्होंने कहा, «%फिल्म का जो फर्स्ट लुक सामने आया है, वह सिर्फ शुरुआत है और असली कहानी इससे कहीं ज्यादा दिलचस्प है। मेरे किरदार में कई परतें हैं, जिन्हें दर्शक फिल्म के साथ धीरे-धीरे समझ पाएंगे। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस दुल्हन के अलग और अनोखे अंदाज को जरूर पसंद करेंगे।» वहीं फिल्म के निर्देशक आकाशदित्य लामा ने भी इस फिल्म को लेकर अपनी सोच साझा की। उन्होंने कहा, «%%%दुल्हनिया ले आएगी% एक ऐसी कहानी है जो परिवार, रिश्तों और उनके बीच की उलझनों को मजेदार अंदाज में दिखाती है। आज के समय में रिश्तों की जटिलताएं बढ़ गई हैं, और इस फिल्म में उन्हीं भावनाओं को एक मनोरंजक रूप में पेश किया गया है।» निर्देशक ने कहा, «%%फिल्म की सबसे बड़ी खासियत इसका मुख्य किरदार है, यानी दुल्हन। यह दुल्हन पारंपरिक सोच से बिल्कुल अलग है। उसमें आत्मविश्वास है, थोड़ी शरारत है और वह कई बार दर्शकों को चौंका भी देती है। यह फिल्म हर उम्र के दर्शकों को जोड़ने की क्षमता रखती है क्योंकि इसमें हंसी, भावनाएं और परिवार का मेल है।» फिल्म के पहले पोस्टर की बात करें तो उसमें खुशाली कुमार दुल्हन के अवतार में नजर आ रही हैं। उन्होंने बाइडल लहंगा पहना हुआ है, लेकिन उसके साथ सनगलासेस लगाए हुए हैं।



उर्मिला मातोंडकर ने लगभग ठुकरा दिया था छम्मा छम्मा गाना, राजकुमार संतोषी के समझाने पर किया परफॉर्म

बॉलीवुड के कई ऐसे गाने हैं जो लोगों के दिलों में खास जगह बना लेता है। ऐसा ही एक गाना है फिल्म %चाइना गेट% का मशहूर डांस नंबर %छम्मा छम्मा%, जिसे आज भी दर्शक बड़े चाव से सुनते और देखते हैं। इस गाने में अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर की परफॉर्मेंस को लोगों ने काफी पसंद किया था। इस गाने को लेकर अब उर्मिला ने एक दिलचस्प खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वह इस गाने को करने के लिए शुरुआत में बिल्कुल भी तैयार नहीं थीं। उन्होंने इसके लिए लगभग मना कर दिया था। दरअसल, उर्मिला मातोंडकर टीवी शो %इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5% के एक एपिसोड में स्पेशल गेस्ट के तौर पर शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने %छम्मा छम्मा% गाने की शूटिंग के समय को याद किया और बताया, «जब मुझे फिल्म %चाइना गेट% के इस गाने का ऑफर मिला और मुझे बताया गया कि यह निर्देशक राजकुमार संतोषी की फिल्म का गाना है, तो मैंने इसे करने के लिए लगभग मना कर दिया था, क्योंकि उस समय इंडस्ट्री में आइटम नंबर को लेकर एक अलग सोच थी, जिसके चलते मैं शुरुआत में इस गाने को करने में झिझक रही थी।» उन्होंने आगे कहा, «%%बाद में निर्देशक राजकुमार संतोषी ने मुझसे बात की और मेरा नजरिया बदल दिया। उन्होंने समझाया कि पहले भी एक ऐसा गाना बनाया गया था, जिसे लोग डांस करते समय हमेशा याद करते हैं। वह चाहते हैं कि मैं एक ऐसा गाना करूं जो दर्शकों के दिल और दिमाग में लंबे समय तक बना रहे। इसके बाद मैंने इस गाने को करने का फैसला लिया।» उर्मिला मातोंडकर ने इस गाने की शूटिंग से जुड़ी एक और दिलचस्प जानकारी साझा की। उन्होंने बताया, «%%जब मैंने कोरियोग्राफर गणेश आचार्य से पूछा कि इस गाने की शूटिंग में कितना समय लगेगा, तो उन्होंने बताया कि लगभग 12 दिन लग सकते हैं।

स्टारडम को तय करते लाइव्स, रील्स और फैन आर्मी



मौजूदा डिजिटल दौर में किसी भी फिल्म की सफलता का पहला संकेत टिकट खिड़की पर नहीं बल्कि इंस्टाग्राम रील्स, यू-ट्यूब शॉर्ट्स और एक्स

(ट्विटर) के ट्रेंडिंग हैशटैग में दिखायी देता है। दरअसल सोशल मीडिया की प्रधानता के चलते बॉलीवुड में स्टारडम का गणित बदल चुका है। आज किसी

अभिनेता की लोकप्रियता का पैमाना, उसकी अभिनय क्षमता नहीं बल्कि सोशल मीडिया में उसकी फैन फॉलोइंग है। एक समय था जब बॉलीवुड सितारों

की लोकप्रियता का पैमाना सिनेमाघरों के बाहर लगी भीड़, फिल्मी पत्रिकाओं के कवर और टीवी इंटरव्यू हुआ करते थे। किसी अभिनेता की फिल्म रिलीज होती थी, तो शहरों की दीवारों उसके पोस्टर से पट जाती थी। आज का दौर उस दौर से बिल्कुल अलग है। अब किसी भी फिल्म की सफलता का पहला संकेत टिकट खिड़की पर नहीं बल्कि इंस्टाग्राम रील्स, यू-ट्यूब शॉर्ट्स और एक्स (ट्विटर) के ट्रेंडिंग हैशटैग में दिखायी देता है। बॉलीवुड में स्टारडम का गणित इस सोशल मीडिया के युग में पूरी तरह से बदल चुका है। आज किसी अभिनेता की लोकप्रियता का पैमाना, उसकी अभिनय क्षमता में नहीं बल्कि सोशल मीडिया में उसकी फैन फॉलोइंग है। आज के इस डिजिटल दौर में फैन आर्मी और सोशल मीडिया पर पैदा होने

वाले बज़ (चर्चा या सनसनी) से किसी स्टार का असली स्टारडम तय होता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म अब हिंदी फिल्मों की खोज और दर्शकों की सिनेमाघरों तक पहुंचाने वाले सबसे प्रभावी माध्यमों में गिने जा रहे हैं। साल 1990 और 2000 के दशक में फैन क्लब हुआ करते थे। वे पोस्टर लगाते थे, हीरो का जन्मदिन मनाते थे और कभी-कभी वो थियेटर के बाहर जहां उनके पसंदीदा हीरो की फिल्म लगी होती थी, वहां जश्न मनाया करते थे। लेकिन आज यही फैन क्लब, फैन आर्मी में तब्दील हो चुके हैं। किसी फिल्म का टीजर आते ही उस फिल्म के हीरो के हजारों प्रशंसक उसे सोशल मीडिया में शेयर करते हैं और पहले जो चर्चा गली-गली तक पहुंचने के लिए कई दिन और कई हफ्तों लिया करती

थी, आज वह चर्चा सोशल मीडिया के जरिये उस हीरो के प्रशंसकों के बीच कुछ ही घंटों में पहुंच जाती है। सोशल मीडिया ने प्रशंसकों को केवल दर्शक नहीं बल्कि प्रचार का आज सबसे बड़ा माध्यम बना दिया है। दुनियाभर में सुपर फैन इकोनॉमी, एक बड़ा और सांस्कृतिक इकोनॉमी का मॉडल बन चुका है। उसमें प्रशंसक किसी कलाकार या ब्रांड के प्रचारक की भूमिका निभाते हैं। आज फिल्म के गानों की सफलता का एक पैमाना यह है कि उस पर कितनी रील्स बनी हैं। निर्माता अब ऐसे गीत और संवाद तैयार करवाते हैं, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो सकें। इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब मीडिया में शेयर करते हैं और पहले जो चर्चा गली-गली तक पहुंचने के लिए कई दिन और कई हफ्तों लिया करती

डिजिटल मार्केटिंग और इन्फ्लूएंसर से सहयोग अब फिल्म प्रचार की मुख्य धुरी बन चुके हैं। वास्तव में सोशल मीडिया ने कलाकारों को सीधे-सीधे दर्शकों से जोड़ दिया है। पहले सितारों और दर्शकों के बीच मीडिया की एक दीवार होती थी। अब अभिनेता अपने फोन से सीधे करोड़ों लोगों तक पहुंच जाते हैं। हालांकि इस बदलाव के साथ एक नई बहस यह भी शुरू हुई है कि क्या कलाकार द्वारा स्वयं को ब्रांड कहा जाना सही है? कलाकार और ब्रांड की मिटती सीमाएं! हाल में ही अभिनेता शाहिद कपूर ने कलाकारों द्वारा खुद को ब्रांड कहे जाने की प्रवृत्ति पर यह सवाल उठाया है। क्योंकि आज फिल्मोद्योग में कलाकार और ब्रांड की भी सीमाएं धुंधली पड़ने लगी हैं। वास्तव में आज

फिल्म के प्रचार का बड़ा हिस्सा फिल्म के कंटेंट, उसकी बनावट-बुनावट से कहीं ज्यादा उसका एल्गोरिथ्म हो चुका है। कौन सा वीडियो कितने लोगों तक पहुंचेगा, कौन सा गाना वायरल होगा, कौन सा संवाद मीम बनेगा, इन सबका निर्णय अब काफी हद तक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में होने लगा है। यही वजह है कि निर्माता अब सबसे पहले अपने फिल्म के प्रचार-प्रसार और अच्छे व्यवसाय के लिए मजबूत डिजिटल टीम का गठन करते हैं। डेटा विश्लेषकों और सोशल मीडिया विशेषज्ञों पर आज सबसे ज्यादा खर्च होने लगा है। क्योंकि प्रचार का सबसे बड़ा और प्रमुख माध्यम यही है। मीडिया और मनोरंजन उद्योग में डिजिटल नवाचार अब विकास का प्रमुख आधार बन चुका है।